भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक का कार्यालय द्वारा पंजीकृत संख्या UTTHIN/2015/66525

E-mail: amarujiyara@gmail.com

अमर उजियारा

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष–7 अंक–16 सोमवार, 9 अगस्त 2021 हल्द्वानी (नैनीताल) मूल्य 5/– रुपया पृष्ठ 8

सरहद पर खड़े रखवालों को दिल से सलाम: मुख्यमंत्री

अमर उजियारा संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आईटीबीपी एकेडमी, मसूरी में आई०टी०बी०पी० के ४२ सहायक सेनानी (जी.डी.) एवं ११ सहायक सेनानी (अभियन्ता) की पासिंग आउट परेड समारोह में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने सभी ५३ प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि वे सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें आईटीबीपी जैसे उत्कृष्ट बल में सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। जिसके हिमवीर लद्दाख के कराकोरम पास से अरुणाचल प्रदेश के जेचप ला तक ३४८८ कि०मी० की अति दुर्गम सीमा की सुरक्षा पूरी मुस्तैदी के साथ कर रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश के वीर सैनिकों ने आजादी के बाद हर संघर्ष में अप्रतिम शौर्य का परिचय दिया है। मुख्यमंत्री ने बल के शहीदों को नमन करते हुए कहा कि शहीदों की शहादत के कारण ही आज हम सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं एक पूर्व सैनिक के पुत्र हैं और इस कार्यक्रम में प्रतिभाग कर उन्हें गर्व की अनुभूति हो रही है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है, ज्वीर भोग्या वसुन्धराज। हमारे आईटीबीपी के हिमवीर हमेशा मातृभूमि की सुरक्षा, अपने ध्येय वाक्य च्च्शौर्य दृढ़ता, कर्म निष्ठा के साथ करते है। हिमालय में माउन्टेन क्लाईमबिंग हो या रीवर राफ्टिंग जैसे साहसिक खेल-कूद या फिर सीमावर्ती क्षेत्रों में लोगों के लिये कल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन, प्रत्येक क्षेत्र में इस बल ने न केवल अमिट छाप छोड़ी है, बल्कि अन्य बलों के लिए उदाहरण भी प्रस्तुत किये है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बल द्वारा आपदा प्रबंधन में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। बल के हिमवीरों ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदाओं एवं दुर्घटनाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों को बेहद तत्परता एवं कुशलता के साथ किया है। २०१३ की केदारनाथ आपदा तथा २०२१ में तपोवन आपदा के समय आईटीबीपी के द्वारा आपदा प्रबंध न हेतु किये गये प्रयासों से जान माल की क्षति को काफी हद तक कम किया जा सका। इस बल द्वारा हमारे राज्य में कैलाश मानसरोवर यात्रा, चार धाम यात्रा तथा राज्य के सुदूर व दुर्गम क्षेत्रों में यात्रियों एवं आम जनमानस को सुरक्षा एवं मेडिकल कवर प्रदान करवाने की जिम्मेदारी को लगातार कई वर्षों से सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने राज्य की समस्त जनता की ओर से बल कर्मियों के इस अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने सैनिक की वीरता तो बाल्यकाल से देखी ही है पर उनके परिजनों का संघर्ष भी देखा है। उस माँ बाप का दर्द देखा है जिसका बेटा सीमा पर देश की आन, बान शान के लिये लड़ रहा है। उस पत्नी के आँखों की विकलता देखी है जो पति के आने की बाट जोहते-जोहते कब बूढी व बीमार हो जाती है पता ही नही चलता। उन बच्चों की सिसकती हुई किलकारियों को सुना है जो अपने पिता से गले मिलने को व्याकुल हों। कितना संघर्ष है एक सैनिक के जीवन में परन्तु इसके बावजूद भी वो दृढता पूर्वक अपने देश के स्वाभिमान को बचाने के लिये हमेशा तत्पर रहता है। मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे पूरे समर्पण के साथ कार्य करेंगे और हमेशा अपने मातहतों के कल्याण को ध्यान में रखेंगे। एक कुशल और योग्य लीडर के रूप में अपने आपको साबित करेंगे। मुख्यमंत्री ने अकादमी के प्रशिक्षण स्टाफ को भी उत्कृष्ट स्तर का प्रशिक्षण देने के लिए बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इसी प्रकार का बेहतरीन प्रशिक्षण प्रदान करते रहेंगे।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, सुरजीत सिंह देसवाल, महानिदेशक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक अशोक कुमार, एडीजी अभिनव कुमार , दलजीत सिंह चौधरी, मनोज रावत एडीजी आईटीबीपी, निलाभ किशोर, महानिरीक्षक / निदेशक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस अकादमी, अजयपाल सिंह, ब्रिगेडियर डॉ रामनिवास, सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित थे।

रक्तदान से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं-सुशील राठी

अमर उजियारा संवाददाता

हरिद्वार। किसान कांग्रेस कमेटी की ओर से जगजीतपुर अंबेडकर पार्क में एम्स ऋशिकेष के सहयोग से रक्तदान षिविर का आयोजन किया गया। लोगों ने रक्तदान षिविर में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। षिविर में लगभग 60 यूनिट रक्तदान किया गया। मुख्य अतिथि किसान कांग्रेस कमेटी के प्रदेष अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यमंत्री सशील राठी ने षिविर का उदघाटन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है और इससे बड़ा कोई भी पुण्य कार्य नहीं है। रक्तदान से जहां हम स्वस्थ रहते हैं। वहीं हम दूसरों की जिंदगी को भी बचा सकते है। जिलाध्यक्ष दिनेष वालिया ने कहा कि यदि सही मायने में समाज की सेवा करना चाहते हैं तो रक्तदान अवष्य करें। रक्तदान दुनिया का सबसे बड़ा दान है। उन्होंने कहा कि किसान कांग्रेस कमेटी किसानों की समस्याओं के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी। किसान

कांग्रेष कमेटी के प्रदेष उपाध्यक्ष सुंदर सिंह मनवाल व अजय नौटियाल ने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद की समय से जान बचाने में चिकित्सकों को काफी सहूलियत मिलती है। उन्होंने प्रत्येक स्वस्थ व जागरूक व्यक्ति को रक्तदान अवष्य करना चाहिए और दूसरों को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। अधिक से अधिक युवा आगे आकर रक्तदान करें। षिविर में एम्स के डॉअश्विन मोहन, डॉ.षिदरा, दिनेष, मोहन लाल भट्ट, अक्षय कुमार, ऊशा, रेखा के सहयोग से करीब 60 यूनिट रक्तदाओं से एकत्र किया गया। इस अवसर पर प्रदेष महामंत्री व प्रवक्ता राहुल चौधरी, पार्शद उदयवीर सिंह चौहान, उमेष बर्मन, नरेष सेमवाल, कामेश्वर यादव, राजबीर सिंह चौहान, राजबीर, षिवानी, बबीता, रोहित, मोनू, यषपाल प्रधान, सुधीर चौधरी, सतवीर चौधरी आदि उपस्थित रहे।

परंपराओं का प्रतीक है तीज पर्व–नरेश रानी गर्ग

हरिद्वार। वैष्य बंधु समाज मध्य हरिद्वार के द्वारा हरियाली तीज महोत्सव हर्शोल्लास व उल्लास के साथ वैष्य बंधु लोहिया धर्मषाला दयानन्द नगरी कनखल रोड़ ज्वालापुर में मनाया गया। महिलाओ ने हरियाली तीज महोत्सव में गीत संगीत पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इस दौरान महिलाओं एवं नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा फनी गेम, नष्त्य व तंबोला में भी प्रतिभाग किया गया। संरक्षक नरेष रानी गर्ग ने कहा कि तीज महोत्सव परंपरांओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने आत्मविष्वास को त्यौहारों के माध्यम से समाज के समक्ष रखती हैं। महिला सषक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए संगठित होकर ही महिलाओं को अपना योगदान देना चाहिए। हरियाली तीज महोत्सव हमारी संस्कषति को दर्षाने वाला पर्व है। अध्यक्ष इंदु गुप्ता व मीरा जैन ने सभी को हरियाली तीज महोत्सव की षुभकामनाएं देते हुए हरियाली तीज महोत्सव के महत्व पर प्रकाष डाला और कहा कि खुषीयों के इस पर्व को महिलाएं उत्साह के साथ मनाती है। परंपरागत तरीके से सोलह श्रंग्रार कर महिलाएं हाथों में मेहंदी रचा कर गीत संगीत में अपनी प्रस्तुतियां देकर एक दूसरे को बधाई देती हैं। उन्होंने कहा कि महिला षक्ति को दर्षाने वाले पर्वो से हमे प्रेरणा लेनी चाहिए। वैष्य बंधु समाज मध्य हरिद्वार के अध्यक्ष डा.विषाल गर्ग ने वैष्य समाज की महिलाओं को हरियाली तीज महोत्सव की बधाई दी और कहा कि महिलाएं परिवारों के लालन पालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। महिलाओं का सम्मान प्रत्येक नागरिक को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति बढ़ रहे अपराधों पर महिला प्रकोश्ठ की सदस्य लगातार महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करती हैं।

सम्पादकीय

अवैध निगरानी की बात

संसद से सड़क तक हंगामे की वजह बनने वाला पेगासस मामला देश की शीर्ष अदालत तक जा पहुंचा है। इस बाबत दायर कई याचिकाओं पर दलीलें सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश का कहना था कि यदि रिपोर्ट वाकई सही है तो मामला गंभीर बनता है। याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने इस बाबत केंद्र को नोटिस देने की भी मांग की। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को भी सुनवाई करेगा। दरअसल, राजनेताओं, एक्टिविस्ट, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया व कई वरिष्ठ पत्रकारों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। याचिकाओं में पेगासस मामले में कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच की भी मांग की गई। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमण व न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ सुनवाई कर रही है। कोर्ट ने सभी याचिकाकर्ताओं से कहा कि वे अपनी याचिका की प्रति केंद्र सरकार को दें। याचिकाकर्ताओं की दलील थी कि इस मामले में संपूर्ण व व्यक्तिगत गोपनीयता के रूप में नागरिकों की निजता के बाबत विचार किया जाये। साथ ही अदालत से स्वतंत्र जांच की भी मांग की गई। कहा गया है कि सरकार जवाब दे कि स्पाइवेयर को किसने खरीदा। कोर्ट ने भी माना कि यदि फोन इंटरसेप्ट हुए हैं तो मामला गंभीर है। ऐसी शिकायतें टेलीग्राफ अधिनियम के अंतर्गत आती हैं। याचिकाकर्ताओं के वकील कपिल सिब्बल का कहना था कि पेगासस का स्पाइवेयर केवल सरकारी एजेंसियों को बेचा जाता है। इसके जरिये नागरिकों के जीवन में बिना जानकारी का प्रवेश लोकतंत्र में निजता, गरिमा व मूल्यों का अतिक्रमण है। हाल ही में एक अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संघ ने दावा किया था कि देश में कई भारतीय मोबाइल पेगासस स्पाइवेयर के जरिये जासूसी के संभावित निशाने वाली सूची में शामिल थे। दलील दी गई कि यह सैन्य स्पाइवेयर नागरिकों की निगरानी के लिये इस्तेमाल करना अनुचित है जो नागरिकों की अभिव्यक्ति व निजी स्वतंत्रता के अधिकारों का भी अतिक्रमण है। बहरहाल, इन्हीं आरोपों के बीच संसद का मानसून सत्र हंगामे की भेंट चढ़ चुका है।दरअसल, इस्राइली कंपनी एनएसओ समूह के पेगासस स्पाइवेयर से संबंधित विवाद कुछ वर्ष पूर्व भी प्रकाश में आया था। सरकार ने तब भी किसी तरह की अवैध निगरानी की बात से इनकार किया था। सरकार इन आरोपों को खारिज करते हुए दलील दे रही है कि सूचना और प्रौद्योगिकी कानून की सख्त व्यवस्था के चलते देश में ऐसा करना संभव नहीं है। लेकिन विपक्ष इस बाबत विश्वसनीय जवाब की मांग लंबे समय से कर रहा है। इस बाबत पर्याप्त जांच न होने तक संसद से सड़क तक हंगामे व सरकार की विश्वसनीयता को संदिग्ध बनाने का खेल यूं ही चलता रहेगा। निस्संदेह, इसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। बिखरा विपक्ष इसे मोदी सरकार की घेराबंदी का सुनहरा अवसर मानकर चल रहा है। कुछ विपक्षी दलों की कोशिश है कि इस बहाने भाजपा के खिलाफ विकल्प तैयार करने के लिये विपक्ष को एकजुट कर लिया जाये। इसकी कोशिशें कोलकाता से दिल्ली तक बराबर जारी हैं। वैसे इससे जुड़े विवाद दुनिया के तमाम देशों में उठे हैं और फ्रांस समेत कई देशों में मामले की जांच भी करायी जा रही है। यहां तक कि दुनिया में खुद को सबसे मजबूत लोकतंत्र बताने वाले अमेरिका में भी पिछले दिनों एक अमेरिकी अदालत ने राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों द्वारा नागरिकों की बड़ी पैमाने पर कराई गई फोन की जासूसी को संविधान के विरुद्ध बताया था। बहरहाल, लोकतंत्र में नागरिक अधिकारों के अतिक्रमण को सत्ता के स्वभाव के चलते हल्के में लेना लोकतांत्रिक मूल्यों की भी अवहेलना ही है क्योंकि सत्ता की मनमानी के खिलाफ ही दुनिया में लोकतांत्रिक व्यवस्था का उदय हुआ है। तभी नागरिक स्वतंत्रता का उपयोग कर पाते हैं। ऐसे में किसी विश्वसनीय जांच से किसी भी सरकार को पीछे नहीं हटना चाहिए। पिछले दिनों राजग गठबंधन के घटक दल जदयू के सुप्रीमो व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी कहा था कि सरकार को प्रासंगिक तथ्य और आंकड़े सामने रखकर वास्तविकता से देश को अवगत कराना चाहिए। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस विवाद की जांच के लिये एक आयोग का गठन भी कर चुकी हैं।

सवाल जनतांत्रिक परंपराओं–मूल्यों की रक्षा का

विश्वनाथ सचदेव

संसद का मानसून सत्र चल भी रहा है, और नहीं भी। चल इस माने में रहा है कि दोनों सदनों में कार्रवाई शुरू होती है, हो–हल्ले के बीच सरकार बिना किसी बहस के अपने काम के विधेयक पारित करा लेती है। और दोनों सदनों की कार्रवाई न चलने का मतलब है विपक्ष का अपनी कुछ मांगों पर अड़े रहना, शोर–शराबा और कार्रवाई का बार–बार स्थगित होना। विपक्ष के कुछ मुद्दे हैं, जिन पर वह संसद में बहस चाहता है, सरकार से दो टूक जवाब मांग रहा है। इनमें इस्राइल की एक कंपनी के सॉफ्टवेयर की मदद से होने वाली जासूसी, महंगाई और किसानों की मांगें शामिल हैं। दोनों पक्ष अपनी जिध्द पर अड़े हुए हैं और सरकार के अनुसार संसद की कार्यवाही को विपक्ष द्वारा बाधित किये जाने के फलस्वरूप देश के लगभग डेढ़ सौ करोड़ रुपये बर्बाद हो गये हैं।चिंता की बात तो है यह। संसद अखाड़ा तो है, पर विवेकपूर्ण बहस का। नारेबाजी और शोर–शराबे की जगह संसद नहीं, सड़क हुआ करती है। जनतांत्रिक व्यवस्था में संसद और सड़क दोनों का महत्व है लेकिन जब सरकार और विपक्ष दोनों जिध्द पर अड़ जाएं तो यह सवाल उठाना लाजिम्मी है कि बात कैसे बने। जनतांत्रिक परंपरा में संसद में कार्रवाई चलाते रहने का दायित्व मुख्यत: सरकारी पक्ष का ही माना जाता है। विपक्ष से भी यह अपेक्षा की जाती है कि वह इस कार्य में योगदान करे। जहां तक संसद के मौजूदा संकट का सवाल है, यह बात आसानी से समझ नहीं आती कि आखिर सरकार को विपक्ष की मांग मानने में आपत्ति क्या है? विपक्ष पेगासस जासूसी मामले की जांच की मांग कर रहा है। वह जानना चाहता है कि भारत सरकार ने इस्राइली कंपनी से जासूसी का श्उपकरण्’ खरीदा है अथवा नहीं। सरकार के हाथ यदि साफ हैं तो वह सहज हां या न में जवाब दे सकती है। आखिर सरकार को इसमें क्या आपत्ति होनी चाहिए? यह पेगासस जासूसी वाला कांड दुनिया के कई देशों में परेशानी का सबब बना हुआ है। अमेरिका, फ्रांस, हंगरी और कई अन्य यूरोपीय देशों ने मामले की जांच के आदेश दे भी दिये हैं। स्वयं इस्राइल भी मामले की जांच करा रहा है। तो फिर भारत सरकार यह जिध्द क्यों किये बैठी है कि वह न मामले पर बहस होने देगी, न जांच करायेगी। जांच होनी ही चाहिए। सच देश की जनता के सामने आना ही चाहिए। यदि सरकार का दामन साफ है तो वह जांच के परिणामों को सामने आने देने में हिचक क्यों रही है? बहरहाल, पेगासस जासूसी वाला यह मामला गंभीर है। अब तो मामला न्यायालय में भी पहुंच गया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार अपने दामन के पाक साफ होने का प्रमाण देना चाहेगी। यह काम जितना जल्दी हो, बेहतर है। लेकिन संसद में काम न हो पाने के इस प्रकरण ने जनतांत्रिक कार्यपद्धति पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। दो सप्ताह दोनों सदनों में शोर–शराबे की भेंट चढ़ गए हैं। विपक्ष कह रहा है कि सरकार की नीयत में खोट है, सरकार विपक्ष पर आरोप लगा रही है कि वह सरकार को काम नहीं करने देना चाहता। बात आरोप–प्रत्यारोप की ही नहीं है, बात जनतांत्रिक मूल्यों–परंपराओं की रक्षा की है।

जनतंत्र में मतदाता यह तय करता है कि सरकार कौन बनाये। इस दृष्टि से भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को मतदाता ने पूर्ण बहुमत से चुना है। उसने भाजपा की रीति–नीति का समर्थन किया है। भाजपा का अधिकार है कि वह उन नीतियों के अनुसार कामकाज चलाये, जिन्हें मतदाता ने समर्थन दिया था। संसद में विवेकशील बहस करा कर वह यह काम कर सकती है। पर यहीं इस बात का भी ध्यान रखा जाना जरूरी है कि जनतंत्र में मतदाता सरकार ही नहीं चुनता, विपक्ष भी चुनता है। इस पद्धति में विपक्ष की भी अपनी महत्ता है, अपना स्थान है। मतदाता विपक्ष से यह अपेक्षा करता है कि वह सरकार के कामकाज पर नजर रखेगा। कुछ अनुचित हो रहा है तो उसे जनता और सरकार, दोनों, की नजर में लायेगा और यह भी बतायेगा कि उसकी दृष्टि में उचित क्या है। पेगासस की जासूसी, किसानों की मांग, महंगाई आदि के सवाल पर विपक्ष यही करने का दावा कर रहा है। संसद में श्काम रोको्’ विपक्ष के इसी दावे का परिणाम है। रणनीति का हिस्सा है यह।जब भाजपा विपक्ष में थी तो सुषमा स्वराज और अरुण जेटली, दोनों ने, इस रणनीति का बचाव किया था। यह दोनों नेता, दुर्भाग्य से, आज हमारे बीच नहीं हैं। वे होते तो शायद सरकार को कुछ समझाते। ऐसे ही एक अवसर पर, जब संसद का काम विपक्ष ने ठप कर रखा था, स्वर्गीय सुषमा स्वराज ने कहा था, श्संसद में काम नहीं होने देना भी लोकतंत्र का एक रूप है॥ इससे पहले स्वर्गीय अरुण जेटली ने भी कहा था कि श्ऐसे मौके होते हैं, जब संसद में हंगामे से देश को ज्यादा फायदा होता है॥

आज जब संसद में काम न होने देने से होने वाले आर्थिक नुकसान की दुहाई दी जा रही है, तो उस फायदे के बारे में भी बात होनी चाहिए, जिसकी तरफ अरुण जेटली ने इशारा किया था। यह फायदा जनतांत्रिक मूल्यों–परंपराओं की रक्षा का है। यही बात भाजपा ने १९९५ में कही थी। तब सरकार कांग्रेस के नेतृत्व वाली थी। प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के सहयोगी टेलीकॉम मंत्री सुखराम के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते भाजपा ने कई दिन तक सरकार नहीं चलने दी थी। इसी तरह वर्ष २०१२ में तब संसद का शीतकालीन सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया था जब भाजपा ने टूजी टेलीकॉम घोटाले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच की मांग को लेकर मनमोहन सरकार पर दबाव बनाया था।

संसद में सही वातावरण में उचित तरीके से विवेकपूर्ण बहस के माध्यम से नीतियां बनें, कानून पारित हों, यह आदर्श स्थिति है। इस समय जो गतिरोध हमारी संसद में है, उसके पीछे राजनीतिक लाभ उठाने की मंशा भी हो सकती है, पर स्थितियां बता रही हैं कि बात सिर्फ राजनीतिक लाभ तक ही सीमित नहीं है। हो सकता है, इससे वर्तमान विपक्ष को वैसा कुछ लाभ मिल जाये जैसा १९९५ और २०१२ के गतिरोध के बाद भाजपा को मिला था। तब भाजपा की सरकारें बनी थी। ऐसा नहीं भी हो सकता। सवाल सिर्फ राजनीतिक लाभ का नहीं, जनतांत्रिक परंपराओं–मूल्यों की रक्षा का भी है। सरकार का दायित्व बनता है कि वह विपक्ष को उचित–अपेक्षित सम्मान दे। विपक्ष को भी मतदाता ने ही चुना था। और फिर जब सवाल सरकार की नीयत पर उठ रहे हों तब तो और जरूरी हो जाता है कि पेगासस जैसी कथित जासूसी से वह अपना दामन साफ सिद्ध करे। गेंद विपक्ष के नहीं, सरकार के पाले में है।

लवलीना ने लीना कांस्य, बाकी सोने की कसक

अरुण नैथानी

ओलंपिक में वेल्टरवेट महिला मुक्केबाजी में देश के लिये कांस्य पदक जीतने वाली असम की लवलीना बोरगोहाई के पदक की खुशी तो है लेकिन बड़ी खुशी इस बात की है कि ओलंपिक में उनके खेल के चर्चा में आने के बाद उनके घर के लिये नई सड़क बनी है। वह सड़क देखने को टोक्यो में भी उत्सुक नजर आई। दरअसल, पूर्वोत्तर की खबरों को राष्ट्रीय मीडिया में ज्यादा जगह नहीं मिल पाती, वैसे ही लवलीना बोरगोहाई को भी अब तक ज्यादा सुर्खियां नहीं मिली। अब कांस्य पदक मिलने के बाद उनकी खूब चर्चा हो रही है। वह मुक्केबाजी में असम से आने वाली पहली महिला खिलाड़ी है। उनके ओलंपिक में प्रदर्शन को लेकर पूरे असम में भारी उत्साह नजर आया। लोग गली–चौराहों में उसके मैच को मोबाइलों पर देखते रहे। उसकी जीत की उम्मीदों को लेकर असम में इतना उत्साह था कि लवलीना के समर्थन में कुछ दिनों पहले असम के मुख्यमंत्री व विपक्षी दलों के विधायकों ने बाकायदा एक साइकिल रैली निकाली। दरअसल, जब बैडमिंटन में पीवी सिंधु कांस्य पदक के लिये संघर्ष कर रही थी, उससे पहले तीस जुलाई को ही लवलीना का कांस्य पदक फाइनल हो गया था, उसे आगे सेमीफाइनल में रजत और स्वर्ण के लिये रिंग में उतरना था। लेकिन उम्मीदों और आकांक्षाओं से इतर महत्वपूर्ण यह भी होता कि खिलाड़ी की तैयारी कितनी है, दांव–पेच कितने सशक्त हैं और सामने कितना मजबूत व अनुभवी प्रतियोगी है। विडंबना यह रही कि लवलीना का सेमीफाइनल में जिस वेल्टरवेट महिला खिलाड़ी तुर्की की बुसेनाज सुर्मेनेली से मुकाबला था, वह अनुभवी और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी थी, जिसने पहले ही राउंड में लवलीना को हराकर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाकर मुकाबला जीत लिया। हर खिलाड़ी की अपनी विशेषता और सीमाएं होती हैं। लवलीना को मलाल रहा कि मैं बेहतर खेल सकती थी। मैंने इस बार खूब मेहनत की थी। हर बार मुझे कांस्य से ही संतोष करना पड़ता है, मेरी नजर सोने के पदक पर थी।

निस्संदेह हमें किसी खिलाड़ी को सोने व चांदी का तमगा ही दिखायी देता है, उसकी तपस्या और हालात पर हमारी नजर नहीं जाती। किसी खेल की तैयारी एक तपस्या जैसी होती है और बेहद अनुशासित व तपस्वी जैसा जीवन जीना पड़ता है। असम के गोलाघाट जनपद में दो अक्तूबर, १९९७ में टिकेन बोरगोहाई व मामोनी के घर जन्मी लवलीना का संघर्ष अन्य निम्न मध्य वर्गीय खिलाडियों की तरह ही रहा। अभावों की तपिश ने उन्हें संवारा ही है। छोटा–मोटा व्यवसाय करने वाले पिता को बेटी के सपनों को पूरा करने के लिये आर्थिक चुनौतियों से दो–चार होना पड़ा। उनकी दो बहनें पहले से किक बॉक्सिंग करती थीं। उनके नेशनल चैंपियन बनने पर लवलीना ने भी शुरुआती दौर में किक बॉक्सिंग की। लेकिन लवलीना कुछ अलग करना चाहती थी। बताते हैं कि पिता एक बार कुछ खाने का सामान अखबार में लपेटकर लाये तो उस अखबार में महान बॉक्सर मोहम्मद अली का फोटो था, जिनके बारे में पिता ने बेटी को विस्तार से बताया। बताते हैं कि उसके बाद लवलीना ने बॉक्सर बनने का संकल्प लिया। स्कूल स्तर पर जब खेल प्रतिभाओं की तलाश के लिये स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया अभ्यास मैच करवाये तो कोच की नजर उन पर पड़ी। यहीं से लवलीना की मुक्केबाजी की शुरुआत हुई। लवलीना का मुक्केबाजी के प्रति जुनून इतना जबरदस्त था कि अगले कुछ सालों में वह एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में ब्रांज मैडल ले आई। उनके करिअर को रवानगी तब मिली जब वर्ष २०१८ में उन्हें राष्ट्रमंडलीय खेलों के लिये चुना गया। इस प्रतियोगिता में तो उन्हें कोई पदक नहीं मिला लेकिन आगे के लक्ष्यों के लिये अनुभव हासिल हुए। अंतर्राष्ट्रीय खिलाडियों से खेल के तकनीकी गुर व मानसिक ताकत बढ़ाने के उपाय सीखे। कालांतर वर्ष २०१८ व २०१९ में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने वर्ग में जीते। इस तरह लवलीना ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ६९ किलोग्राम वेल्टरवेट वर्ग में अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी। लेकिन इस विशिष्ट वर्ग में खेल की तैयारी हेतु उन्होंने कई परेशानियों का सामना भी किया।बहरहाल, इतना तय है कि इस बार टोक्यो ओलंपिक में जिस तरह बेटियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करके खूब सुर्खियां बटोरी, उससे उस सोच पर भी करारी चोट लगेगी जो बेटे–बेटियों में फर्क करती थी। इन लड़कियों की सफलता, उन्हें मिलने वाला मान–सम्मान तथा आर्थिक लाभ देश की हजारों लड़कियों को खेलों में आने और मजबूत बनाने का अवसर देगा। खासकर दूर–दराज के इलाकों की लड़कियों को अपने आप को साबित करने का मौका मिलेगा।बहरहाल, कोरोना संकट के बीच लवलीना का कांस्य पदक हासिल करना बड़ी उपलब्धि ही कही जायेगी। संक्रमण की चुनौती के चलते वह ठीक तरह से ओलंपिक के लिये तैयारी भी न कर पायी थी। काफी समय अपने कमरे में ही प्रशिक्षण लेना पड़ा क्योंकि उन्हें ट्रेनिंग देने वाले लोगों में कई कोरोना संक्रमण की जद में आ चुके थे। प्रशिक्षण में उन्होंने ऑनलाइन माध्यमों से भी अनुभव हासिल किया।

नीब करौली बाबा जी की जन्मस्थली अकबरपुर में फिल्म का पहला पोस्टर ट्रस्टी / ज्येष्ठ पुत्र अनेग सिंह जी की अनुमति से किया गया लॉन्च

निर्माता टीम शरद जी और कनक जी , बाबा नीब करौरी महाराज जी के ज्येष्ठ पुत्र आदरणीय अनेग सिंह शर्मा जी और बाबा जी के पोते आदरणीय डॉ धनन्जय शर्मा जी से अनुमति लेकर अकबरपुर बाबा जी के जन्मस्थल उनके घर गए और जहाँ से बाबा जी अपना सारा कार्य करते थे वहां के दर्शन किये। फिर बाबा नीब करौरी मंदिर अकबरपुर में फिल्म पोस्टर को बाबा नीब करौरी महाराज जी की प्रतिमा के सम्मुख भक्ति भाव पूर्वक रखा। यह पल वास्तव में अदभुत और विलक्षण अनुभूति भरा था। जहाँ ऊर्जा का अति संचार था और प्रेम आस्था ईश्वरीय लीलाओं से घिरा चारों ओर अकथनीय आंतरिक आनंदायक अनुभूतियों और समर्पण भाव से परिपूर्ण अलौकिक आभा लिए हुए दृश्य था।

निर्माता / निर्देशक / कहानीकार शरद सिंह ठाकुर और निर्माता / कहानीकार एवं बाबा जी की अनन्य भक्त कनक चंद द्वारा विश्व के महान संत और हनुमान जी के अवतार बाबा नीब करौरी महाराज जी के जीवन पर बाबा जी की प्रेरणा से पहली बायोपिक फिल्म बनाई जा रही है।बाबा नीब करौली महाराज के जीवन पर आधारित बायोपिक फिल्म देखकर श्रद्धालु भक्तजन और समस्त विश्व बाबा

के जीवन दर्शन कर उनकी लीलाओं और महानता को जान पाएगा। फिल्म को बाबा के बचपन से लेकर बाबा जी के वृंदावन में समाधि लेने तक फिल्माया जाएगा और फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के अलग अलग स्थानों पर की जाएगी।बाबा जी कलयुग के भगवान हैं जो सभी भक्तजनो के कष्टों को दूर करते हैं। और अभी सभी बाबा जी के भक्त व श्रद्धालुओं के परिवार और समाज का हर व्यक्ति फिल्म के पर्दे पर आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं यह बहुत बड़ा सौभाग्य है कि महागुरु बाबा जी की फिल्म निर्माण का सौभाग्य निर्देशक श्री शरद सिंह ठाकुर जी के साथ प्राप्त हुआ है। इसलिए बाबा जी कृपा है।फिल्म की कहानी सयुक्त रूप से श्री शरद सिंह ठाकुर और श्रीमती कनक चंद द्वारा बनाई गई है तो वही सयुक्त रूप से फिल्म की पटकथा और संवाद श्री शरद सिंह ठाकुर और डॉ कविता रायजादा द्वारा लिखे गए हैं।फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर अमेरिका के ग्रेमी अवॉर्ड नॉमिनी श्री जय उत्तल है तो वही गीतों को अपने सुरेले संगीत से भारत के प्रसिद्ध संगीतकार संगीत श्री आसिफ अली चंदवानी ने सजाया है। ष्ठह्वक्क श्री नारायण आर० दीक्षित होंगें।नीब करौली महाराज की यह फिल्म उनके परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, भक्तजनों व शुभचिंतकों के सहयोग और आशीर्वाद से निर्मित की जा रही है। सभी भक्तजनो ने फिल्म की पूरी टीम को इस पुनीत कार्य के बधाई और शुभकामनाये प्रेषित की हैं।इस शुभ अवसर पर मंदिर में भक्तजन और समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे।

श्रावण मास शिव तत्व उत्तराखंड ज्योतिष रत्न आचार्य डॉक्टर चंडी प्रसाद घिल्डियाल जीके पवित्र पावन श्रावण मास में व्यासपीठ से दैनिक प्रवचन से सादर

अर्थात लोक मंगल की वह उच्च मनोदशा जिसमें स्वयं अनेक कष्टों को सहकर भी दूसरों के कष्टों को मिटाने का हर सम्भव प्रयास किया जाता है। स्वयं खुले आसमान के नीचे जीवन यापन कर रावण को सोने की लंका देने वाले भगवान शिव से श्रेष्ठ इसका कोई उदाहरण नहीं हो सकता।भगवान शिव भले ही स्वयं फकीरी में रहे मगर वाणासुर और रावण जैसे अनेक भक्तों को उन्होंने अनन्त ऐश्वर्य, अनन्त राजसी ठाट बाट प्रदान किये।जिसके अंदर लोकमंगल का भाव न हो, जिसकी प्रवृत्ति में परोपकार न हो और जिसका मन किसी की पीड़ा को देखकर न पसीजता हो वह व्यक्ति शिव ख्र शिव कहने मात्र से कभी भी शिव भक्त नहीं हो सकता। जो हर स्थिति में भक्तों का कल्याण करे वह च्च्शिवज्ज् और जो कल्याण की भावना रखे वही शिव भक्त है।भगवान शिव का एक नाम आशुतोष् भी है। आशुतोष अर्थात बहुत जल्दी और बहुत कम में प्रसन्न हो जाने वाले। एक लोटा जल चढाने मात्र से ही भगवान शिव् प्रसन्न हो जाया करते हैं और अगर भोग लगाते भी हैं तो भाँग और धतूरे जैसी चीजों का।दूसरों से कम लो, देने की भावना ज्यादा रखो। आज व्यक्ति यह नहीं सोच रहा कि मैंने दूसरों को क्या दिया ? उसका समग्र चिन्तन इतना ही है कि मुझे दूसरों ने क्या दिया ?वही साहसी है और बड़ा है जो दूसरों से लेने की नहीं देने की इच्छा और सामर्थ्य रखता है। केवल आयु में ही नहीं आचरण में भी बड़े होने का प्रमाण दो। दूसरों से अपेक्षा नहीं अपितु उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने वाले बनो। यही शिवत्व है।

कर्तव्य के पुनीत पथ को
हमने स्वेद से सींचा है,

कभी-कभी अपने अश्रु और
प्राणों का अर्घ्य भी दिया है।
किंतु अपनी ध्येय-यात्रा में,
हम कभी रुके नहीं हैं।
किसी चुनौती के सम्मुख
कभी झुके नहीं हैं।

वर्ष 2015 में शिक्षा विभाग में प्रथम गवर्नर अवार्ड से सम्मानित वर्ष 2016 में। सटीक भविष्यवाणी पर उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत सरकार ने दी उत्तराखंड ज्योतिष रत्न की मानद उपाधि। त्रिवेंद्र सरकार ने दिया ज्योतिष विभूषण सम्मान। वर्ष 2013 में केदारनाथ आपदा की सबसे पहले भविष्यवाणी की थी। इसलिए 2015 से 2018 तक लगातार एक्सीलेंस अवार्ड प्राप्त हुआ। ज्योतिष में इस वर्ष ५ सितंबर 2020 को प्रथम वर्चुअल टीचर्स राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त किया। वर्ष 2019 में अमर उजाला की ओर से आयोजित ज्योतिष महासम्मेलन में ग्राफिक एरा में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने दिया ज्योतिष वैज्ञानिक सम्मान।

पूरे उत्तराखंड में खुशी की लहर, उत्तराखंड ज्योतिष रत्न आचार्य डॉक्टर चंडी प्रसाद घिल्डियाल को मिला एक और महत्वपूर्ण सम्मान

उत्तराखंड ज्योतिष रत्न आचार्य डॉक्टर चंडी प्रसाद घिल्डियाल को प्रथम स्वर्गीय डॉक्टर रमेश चंद्र रस्तोगी स्मृति राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया है उनको यह महत्वपूर्ण सम्मान मिलने से पूरे उत्तराखंड में हर्ष की लहर दौड़ गई।

आईडीपीएल ऋषिकेश में कोविड-१९ एस ओ पी नियमों के तहत आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में डॉक्टर चंडी प्रसाद घिल्डियाल को यह महत्वपूर्ण सम्मान दिया गया सम्मान प्रदान करते हुए हिमालय और हिंदुस्तान के राष्ट्रीय संपादक डॉ रवि रस्तोगी ने कहा कि विगत डेढ़ वर्षो से जब से कोरोनावायरस हुआ है तमाम कार्यक्रमों और शिक्षण संस्थाओं के बंद होने के बावजूद डॉक्टर घिल्डियाल द्वारा शिक्षा एवं ज्योतिष के क्षेत्र में लोगों का मनोबल बढ़ाते हुए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन किया गया। इस बीच विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे लोगों के बीच से राष्ट्रीय स्तर पर चयन बोर्ड द्वारा प्रथम स्वर्गीय डॉक्टर रमेश चंद्र रस्तोगी सम्मान हेतु उनका चयन होना पूरे राज्य के लिए गौरव का विषय है इसके लिए डॉक्टर चंडी प्रसाद बधाई के पात्र हैं।कार्यक्रम में जानकारी दी गई स्वर्गीय डॉक्टर रमेश चंद्र रस्तोगी ने वरिष्ठ इंजीनियर के रूप में आईडीपीएल प्रबंधन में वर्षों तक कार्य किया वह होम्योपैथिक चिकित्सा में भी महत्वपूर्ण दखल रखते थे और निशुल्क सलाह देते थे ८२ बरस की लंबी आयु में ९ मई २०२१ को उनका देहांत हो गया उनकी स्मृति को चिरस्थाई बनाए रखने के लिए हिमालय और हिंदुस्तान बोर्ड द्वारा उनकी स्मृति में यह सम्मान प्रतिवर्ष पूरे देश में विभिन्न क्षेत्रों

में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे लोगों को दिए जाने का संकल्प लिया गया है जिसकी शुरुआत इस वर्ष राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज आईडीपीएल में संस्कृत प्रवक्ता डॉक्टर चंडी प्रसाद घिल्डियाल से की गई है।सम्मान प्राप्त करने पर डॉक्टर चंडी प्रसाद ने कहा कि सम्मान प्राप्त होना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी का अहसास कराता है उनकी कोशिश होगी कि जितने भी सम्मान उनको प्राप्त हो रहे हैं उन पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे शिक्षा और ज्योतिष के क्षेत्र में छात्र-छात्राओं एवं जनता को निरंतर लाभान्वित किया जाएगा।विदित है कि डॉक्टर चंडी प्रसाद घिल्डियाल वर्ष २००६ में राज्य लोक सेवा आयोग से चयनित होकर प्रवक्ता संस्कृत के पद पर कार्यरत हैं उन्हें वर्ष २०१५ में शिक्षा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए राज्य का प्रथम गवर्नर अवार्ड वर्ष २०१३ से २०१८ तक लगातार सटीक भविष्यवाणियां करने के लिए एक्सीलेंस अवार्ड उत्तराखंड ज्योतिष रत्न ज्योतिष विभूषण संस्कृत गौरव और हिमालय और हिंदुस्तान रत्न जैसे कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हो चुके हैं पूरे राज्य के शिक्षा धर्म अध्यात्म राजनीति प्रशासन एवं समाज सेवा से जुड़े लोगों ने डॉक्टर चंडी प्रसाद घिल्डियाल को यह महत्वपूर्ण सम्मान मिलने पर बधाई प्रेषित की है।

श्री निवास कालोनी वासियों को मिलेगी सीवर की समस्या से निजात-यशवंत सैनी

हरिद्वार। ज्वालापुर कांग्रेस नगर अध्यक्ष यषवंत सैनी के प्रस्ताव पर ज्वालापुर के वार्ड 47 पांडेवाला स्थित श्री निवास कालोनी में गंगा प्रदूशण इकाई द्वारा सीवर लाइन बिछाने के कार्य का षुभारंभ पूर्व राज्यमंत्री डा.संजय पालीवाल व कांग्रेस महानगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर किया। इस अवसर पर भेल श्रमिक नेता राजबीर सिंह व विकास सिंह ने कहा कि मूलभूत सुविधाओं को प्रदान करने में जनप्रतिनिधि निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। बिजली, पानी, सीवर की आवष्यकता लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। कांग्रेसी कार्यकर्ता समय रहते समस्याओं का निदान कराने में हरसंभव मदद कर रहे हैं। पूर्व राज्यमंत्री डा. संजय पालीवाल व कांग्रेस महानगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि जनसमस्याओ के निराकरण में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को विषेश ध्यान रखना चाहिए। श्री निवास कालोनीवासी लंबे समय से सीवर लाईन बिछाए जाने की मांग कर रहे थे। ज्वालापुर नगर कांग्रेस अध्यक्ष यषवंत सैनी के प्रयासों से सीवर लाईन की समस्या का समाधान हुआ है। यूथ कांग्रेस के प्रदेष प्रवक्ता व वरूण बालियान व कैलाष प्रधान ने कहा कि मूलभूत सुविधाएं सभी को मिलनी चाहिए। सीवर की समस्या का समाधान होने पर कालोनीवासियों को राहत मिलेगी। यषवंत सैनी ने कहा कि कालोनी में लंबे समय से सीवर की समस्या बनी हुई थी। समस्या के समाधान के लिए गंगा प्रदूशण नियंत्रण इकाई के अधिकारियों को प्रस्ताव प्रेशित किया गया था। जिस पर कार्रवाई करते हुए विभाग ने सीवर लाईन बिछाने का कार्य प्रारम्भ कराया। उन्होंने कहा कि पांडेवाला क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान प्रत्येक स्तर पर किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री महाराज को बताईं रुद्रप्रयाग की समस्याएं

रुद्रप्रयाग। ऑलवेदर रोड से बदरीनाथ और केदारनाथ में पैदा हुई परेशानियों के साथ ही जिले की अन्य कई समस्याओं को लेकर कांग्रेसी नेताओं ने जनपद प्रभारी मंत्री से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने समस्याओं पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रदीप बगवाड़ी एवं वीरेंद्र सिंह बुटोला ने देहरादून में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारी बारिश एवं भूस्खलन होने से ग्रामीण क्षेत्रों को जोडने वाले मोटर मागों पर भी भूस्खलन होने से आम जनता की आवाजाही में दिक्कतें हो रही है। साथ ही ऑलवेदर रोड़ के चलते श्रीनगर से रुद्रप्रयाग और रुद्रप्रयाग से गौरीकुंड के बीच कई जगहों पर पहाडियों से दिन में भी पत्थर गिर रहे हैं। इससे लोगों को आवाजाही में भारी परेशानियों हो रही है। इन स्थानों पर आवाजाही करने में जनहानि की भी संभावना बनी है। इसलिए इनका शीघ्र ट्रीटमेंट किया जाना चाहिए। कांग्रेसी नेता प्रदीप बगवाड़ी ने कहा कि सतपाल महाराज के रुद्रप्रयाग और चमोली का प्रभारी मंत्री बनने से दोनों जनपदों को काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने इसके लिए महाराज को बधाई भी दी है।

वन्दना कटारिया होंगी महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग की ब्रांड एम्बेसेडर: सीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की है कि अगले वर्ष से तीलू रौतेली पुरस्कार एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री पुरस्कार की धनराशि बढ़ाकर ५१ हजार रूपये किया जायेगा। भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी वन्दना कटारिया उत्तराखण्ड में महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग की ब्रांड एम्बेसेडर होंगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सर्वे चौक स्थित आई.आर.डी.टी सभागार में तीलू रौतेली पुरस्कार एवं च्चआंगनबाड़ी कार्यकत्री पुरस्कारच्च् हेतु चयनित राज्य की महिलाओं को सम्मानित किया। इस वर्ष २२ महिलाओं को तीलू रौतेली पुरस्कार एवं २२ महिलाओं को आंगनबाड़ी कार्यकत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। तीलू रौतेली पुरस्कार प्राप्तकताओं को ३१ हजार रूपये की सम्मान धनराशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। जबकि आंगनबाड़ी कार्यकत्री पुरस्कार के तहत २१ हजार रूपये की सम्मान राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड में हर क्षेत्र में मातृ शक्ति की बड़ी भूमिका रही है। उत्तराखण्ड अलग राज्य निर्माण की मांग हेतु महिलाओं ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने मातृ शक्ति को नमन करते हुए कहा कि कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना शुरू की गई है। कोरोना काल में जिन बच्चों ने अपने माता-पिता या सरंक्षक को खोया है, उनको राज्य सरकार प्रति माह ०३ हजार रूपये, एवं नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था कर रही है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थित मजबूत होनी जरूरी है। बच्चों के शुरूआती चरण के विकास में आंगनबाडियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। माता-पिता के बाद बच्चों को संस्कार देने के शुरूआत आंगनबाड़ी से ही होती है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जो लोग सीमित संसाधन होने पर बड़ी उपलब्धि हांसिल करते हैं, उनकी अलग ख्याति होती है।

महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि उत्तराखण्ड की वीरांगना तीलू रौतेली के जन्म दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाली राज्य की चयनित महिलाओं को तीलू रौतेली पुरस्कार एवं आंगनबाड़ी में अच्छा कार्य करने वाली महिलाओं को आंगनबाड़ी कार्यकत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मात्र १५ वर्ष की आयु में ही वे रणभूमि में कूद पड़ी थी। उन्होंने बहुत कम आयु में सात युद्ध लड़े। यह दिन प्रदेश की महिलाओं को सम्मानित करने का सबसे अच्छा दिन है। तीलू रौतेली ने जिस वीरता का परिचय दिया, आज यह हमारे सामने एक इतिहास है। इस अवसर पर विधायक खजानदास, सचिव हरि चन्द्र सेमवाल, अपर सचिव प्रशांत आर्य एवं गणमान्य मौजूद थे।

तीलू रौतेली पुरस्कार से इनको किया गया सम्मानित

डॉ.राजकुमारी भंडारी चौहान, श्यामा देवी, अनुराधा वालिया, डॉ. कंचन नेगी, रीना रावत, वन्दना कटारिया, चन्द्रकला तिवाड़ी, नमिता गुप्ता, बिन्दुवासिनी, रूचि कालाकोटी, ममता मेहता, अंजना रावत, पार्वती किरौला, कनिष्का भण्डारी, भावना शर्मा, गीता जोशी, बबीता पुनेठा, दीपिका बोहरा, दीपिका चुफाल, रेखा जोशी, रेनू गडकोटी, पूनम डोभाल।

राज्य स्तरीय आंगनबाड़ी कार्यकत्री पुरस्कार प्राप्त करने वाली महिलाएं

गौरा कोहली, पुष्पा प्रहरी, पुष्पा पाटनी, गीता चन्द, गलिस्ता, अंजना, संजू बलोदी, मीनू, ज्योतिका पाण्डेय, सुमन पंवार, राखी, सुषमा गुसांई, आशा देवी, दुर्गा बिष्ट, सोहनी शर्मा, वृंदा, प्रोन्नति विस्वास, हन्सी धपोला, गायत्री दानू, हीरा भट्ट, सुषमा पंचपुरी, सीमा देवी।

निर्माणधीन भवन उत्तराखण्ड निवास का निरीक्षण किया

नई दिल्ली। मुख्य सचिव डॉ.एस. एस.सन्धु ने नई दिल्ली में निर्माणाधीन भवन च्उत्तराखण्ड निवासज् का निरीक्षण किया। मुख्य सचिव डॉ.एस. एस.सन्धु ने कहा कि निर्माण कार्य गुणवत्ता बनाए रखते हुए तय की गई समय सीमा में पूरा करना सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव द्वारा उत्तराखण्ड निवास के नक्शे का अवलोकन करते हुये भवन के सभी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी ली। इसके अलावा निर्माणाधीन भवन में गाड़ियों की पार्किंग व्यवस्था की भी जानकारी ली गई। उल्लेखनीय है कि ३, गोपीनाथ बारदोलाई मार्ग, चाणक्यपुरी नई दिल्ली में जून २०२० से उत्तराखण्ड निवास का काम शुरू किया गया। भवन में तीन बेसमेंट होंगे। है। भवन में भू-तल को सम्मिलित करते हुए कुल सात तल बनाए जाएंगे। भवन उत्तराखण्ड वास्तुकला शैली में बनाया जायेगा। ग्रीन भवन की तर्ज पर बनाए जा रहे इस भवन का अपना सीवेज सोधन संयंत्र होगा। भवन में ५० किलोवाट क्षमता का सोलर पावर प्लांट भी है। उत्तराखण्ड निवास का निर्माण कार्य मार्च २०२२ तक पूरा कर लिया जायेगा। इसके साथ ही मुख्य सचिव द्वारा उत्तराखंड स्थानिक आयुक्त एकीकृत भवन व उत्तराखण्ड सदन के रखरखाव एवं सौंदर्यीकरण का भी निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर स्थानिक आयुक्त श्री वी०वी०आर०सी० पुरुषोत्तम, अपर स्थानिक आयुक्त श्रीमती ईला गिरी, मुख्य व्यवस्था अधिकारी श्री रंजन मिश्रा एवं उत्तराखण्ड पेयजल निगम अपर सहायक अभियंता श्री अरविन्द सैनी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री ने वर्ष 2025 से पूर्व सूबे में क्षय रोग के खात्मे का दिया लक्ष्य

देहरादून । सूबे को क्षय रोग से मुक्त करने एवं जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से निर्मित लघु फिल्म का आज सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत द्वारा अनावरण किया गया। लघु फिल्म में टी. बी. के उपचार एवं समाधान के बारे में जानकारी प्रदान की गई हैं। केंद्र सरकार द्वारा वर्ष २०२५ तक टी.बी. मुक्त भारत की परिकल्पना के क्रम में उत्तराखंड से क्षय रोग के खात्में के लिए लक्ष्य निधर्रित किया गया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा नि:क्षय पोषण योजना के अंतर्गत उपचार की अवधि तक क्षय रोगियों को पोषाहार हेतु प्रत्येक माह डी.बी.टी. के माध्यम से रू० ५०० उपलबध कराये जा रहे हैं। जिस तहत १ अप्रैल २०१८ से माह जुलाई २०२१ तक रू. १६ करोड़ ९० लाख की धनराशि मरीजों के खातों में भेजी जा चुकी है।

चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत ने आज अपने कैम्प कार्यालय में क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य टी.बी. अनुभाग एवं सूचना विभाग के सहयोग से बनाई गई च्टी.बी. उपचार एवं समाधानज् लघु फिल्म का आनलाइन अनावरण किया। लघु फिल्म लांचिंग अवसर पर डा. रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष २०२५ तक टी.बी. मुक्त भारत के निर्धारित लक्ष्य से पूर्व उत्तराखंड से क्षय रोग के खात्में के लिए विभागीय अधिकारियों को सघन अभियान संचालित करने के निर्देश दिये गये हैं। डा. रावत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा टी.बी. रोगियों को नि:शुल्क जांच, उपचार, दवाईयां उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा रोगियों को उपचार अवधि के दौरान पोषाहार हेतु प्रत्येक माह डीबीटी के माध्यम से रूपये ५०० की राशि उपलब्ध कराई जा रही है। नि:क्षय पोषण योजना के अंतर्गत १ अप्रैल २०१८ से माह जुलाई २०२१ तक १६ करोड़ ९० लाख की धनराशि डीबीटी के माध्यम से मरीजों को दी जा चुकी है। लघु फिल्म लांचिंग अवसर पर मिशन निदेशक एनएचएम सोनिका ने बताया कि राज्य में टी.बी. उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत क्षय रोग जांच एवं उपचार हेतु १३ जिला क्षय नियंत्रण केन्द्र, ९५ टी.बी. यूनिट एवं १५४ जांच केन्द्र स्थापित किये गये हैं। जहां भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत क्षय रोगियों का उपचार डेली रेजिमेन पद्धति के द्वारा किया जाता है। उन्होंने बताया कि डीआरटीबी (ड्रग रेसिस्टेंस ट्यूबरक्लोसिस) रोगियों के निदान हेतु पीएमडीटी कार्यक्रम चलाया जा रहा है। ऐसे रोगियों के ईलाज हेतु हिमालयन इंस्टीट्यूट मेडिकल कॉलेज जौलीग्रांट एवं राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी मे डीआरटीबी साइट स्थापित हैं। महानिदेशक स्वास्थ्य डा. तृप्ति बहुगुणा ने बताया कि राज्य में टी.बी. उन्मूलन कार्यक्रम का लाभ लगातार टी.बी. रोगियों को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि सूबे में १२२८९ टी.बी. रोगी चिह्नित किये गये हैं। जिनमें अल्मोड़ा में ३५५, बागेश्वर में १९४, चमोली में २४६, चम्पावत में १२४, देहरादून में २८२४, पौड़ी में ६५२, हरिद्वार में २७४२, नैनीताल में १९७५, पिथौरागढ़ में २८२, रूद्रप्रयाग में १७७, टिहरी में २५८, यूएसनगर में २०५८, उत्तरकाशी में ४०२ टी.बी. रोगी है। इस अवसर पर एसटीओ डा. मयंक बडोला, अनिल सती सहित वर्चुअल माध्यम से मिशन निदेशक एनएचएम सोनिका, स्वास्थ्य महानिदेशक तृप्ति बहुगुणा, सभी जनपदों के क्षय रोग अधिकारी एवं अन्य सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रतिनिधि ने प्रतिभाग किया।

ब्लैकमेलर को किया गिरफ्तार

देहरादून। कोतवाली पुलिस को एक युवती द्वारा सूचना दी गई थी, एक लड़के समीर पुत्र सदाकत निवासी श्रीनगर पौड़ी गढ़वाल द्वारा उसको अपने प्रभाव में ले कर उसका शारीरिक शोषण किया गया तथा उससे १५००००० भी ठग लिए गए।

इस सूचना पर कोतवाली नगर देहरादून पर मुकदमा अपराध संख्या ३५२/२१ अंतर्गत धारा ३७६ ३८४ १२० बी व ५०८ आईपीसी कायम पंजीकृत किया गया था। अभियुक्त पेशे से टैक्सी ड्राइवर था जो अक्सर दिल्ली से देहरादून ओला कैब चलाता था। जिसके गिरफ्तारी के संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर के निर्देशन में पुलिस टीमें अभियुक्त को गिरफ्तार करने हेतु लगाई गई थी। अभियुक्त समीर पुत्र सदाकत निवासी पौड़ी गढ़वाल को कावली रोड थाना कोतवाली नगर से गिरफ्तार किया गया था। आज अभियुक्त समीर पुत्र सदाकत उपरोक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष वास्ते न्यायिक रिमांड पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। अभियुक्तों द्वारा पूछताछ करने पर बताया गया कि वह ओला कैब चलाता है जिसमें लड़कियां भी कैब बुक कराने के लिए कॉल करती हैं फिर मैं उन लड़कियों को कॉल बैक या मैसेज

के माध्यम से अपने प्रभाव में लेता हूं तथा उनके साथ दोस्ती कर उनका यूज करता हूं तथा उनसे पैसे भी लेता हूं।

331 अभ्यर्थियों ने छोड़ी सहायक अध्यापक पदों के लिए लिखित परीक्षा

अल्मोड़ा। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित सहायक अध्यापक की लिखित परीक्षा शांति पूर्ण संपन्न हुई। अल्मोड़ा में बनाए गये नौ परीक्षा केंद्रों में सुबह शाम दो पालियों में परीक्षा संपन्न हुई। इसमें कुल पंजीकृत 3018 में से 2687 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 331 अभ्यर्थी परीक्षा देने नहीं पहुंचे। रविवार को नगर के नौ परीक्षा केंद्रो परीक्षा संपन्न कराई गई। यहां सुबह 10 से 12 बजे तक पहली पाली में कुल पंजीकृत 1751 अभ्यर्थियों में 1573 ने परीक्षा दी। 178 अनुपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली दिन में 2 से शाम 4 तक आयोजित की गई। इसमें कुल पंजीकृत 1267 में से 1114 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। जबकि 153 ने परीक्षा से अनुपस्थित रहे। इस दौरान परीक्षा नोडल एडीएम बीएल फिरमाल और मुख्य शिक्षा अधिकारी एचबी चंद ने सभी परीक्षा का केंद्रों में का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। नोडल अधिकारी ने बताया कि सभी केंद्रों में परीक्षा शांति पूर्ण संपन्न हुई। परीक्षा संपन्न सभी परीक्षा केंद्रों में सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किये गये थे। यहा परीक्षा संपन्न कराने में आयोग प्रतिनिधि सुनील नौटियाल, बलबीर सिंह भाकुनी समेत आदि ने सहयोग किया।

संत समाज ने दी ब्रह्मलीन स्वामी यामसुंदरदास शास्त्री महाराज को श्रद्धांजलि

हरिद्वार। ब्रह्मलीन महामण्डलेष्वर डा. ष्यामसुंदरदास षास्त्री महाराज की दूसरी पुण्यतिथी पर संत समाज ने उनका भावपूर्ण स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्री गरीबदासीय साधु सेवाश्रम में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित करते हुए महामण्डलेष्वर स्वामी रामेष्वरानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि संत महापुरूशों को जीवन सदैव मानव कल्याण के लिए समर्पित होता है। युगपुरूश ब्रह्मलीन महामण्डलेष्वर डा.ष्यामसुंदरदास षास्त्री महाराज संत समाज के प्रेरणास्रोत थे। जिन्होंने सदैव युवा संतों को संस्कारवान बनाकर भारतीय संस्कृति व सनातन ध र्म के संरक्षण संवर्द्धन के लिए प्रेरित किया। राश्ट्र निर्माण में उनका अतुलनीय योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। सनातन धर्म व भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार के लिए पूरा जीवन समर्पित करने वाले ब्रह्मलीन डा.ष्यामसुंदरदास षास्त्री महाराज के षिश्य स्वामी रविदेव षास्त्री, स्वामी हरिहरानंद व स्वामी दिनेष दास अपने गुरू के अधूरे कार्यो को पूरा करते हुए संत समाज व मानव सेवा में योगदान कर रहे हैं। बाबा हठयोगी ने कहा कि भक्तों को ज्ञान की प्रेरणा देकर उनके कल्याण का मार्ग प्रषस्त करने वाले ब्रह्मलीन डा.ष्यामसुंदरदास षास्त्री महाराज एक महान संत थे। सभी को उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए मानव कल्याण व राश्ट्र सेवा में योगदान देना चाहिए। स्वामी रविदेव षास्त्री व स्वामी हरिहरानंद ने कार्यक्रम में पधारे संतजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निर्मल जल के समान जीवन जीने वाले पूज्य गुरूदेव ब्रह्मलीन डा.ष्यामसुंदरदास षास्त्री महाराज त्याग और तपस्या की साक्षात प्रतिमूर्ति थे। गुरूदेव से प्राप्त षिक्षाओं व ज्ञान का अनुसरण करते हुए उनके द्वारा स्थापित सेवा प्रकल्पों और आश्रम की सेवा परंपरांओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। स्वामी ऋशिष्वरानंद महाराज ने कहा कि ब्रह्मलीन डा.ष्यामसुंदरदास षास्त्री महाराज एक विलक्षण व विद्वान सत थे। जीवन के अंतिम क्षणों तक मानव सेवा व राश्ट्र कल्याण में योगदान देते रहे ब्रह्मलीन डा.ष्यामसुंदर दास षास्त्री महाराज के आदर्षो पर चलते हुए गरीब निसहाय वर्गो की सेवा में योगदान ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में पधारे सभी संतजनों को समाजसेवी संजय वर्मा एवं महंत दिनेष दास महाराज ने फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया और आषीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पंडित पदम प्रकाष सुवेदी, महामण्डलेष्वर स्वामी कपिल मुनि, स्वामी आनन्द गिरी, महंत षिवानंद, महंत सूरजदास, महंत सुतीक्ष्ण मुनि, स्वामी रामजी, श्रीमहंत विश्णुदास, महंत प्रहलाद दास, महंत जयेंद्र मुनि, म.म.स्वामी प्रबोधानंद गिरी, ठाकुर मानसिंह, महंत जसविंदर सिंह, महंत षंभूदास, महंत बिहारी षरण, महंत अंकित षरण, महंत रघुवीर दास आदि सहित बड़ी संख्या में संत महंत उपस्थित रहे।

हाकी खिलाड़ी वंदना कटारिया को बनाया बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की जिला एम्बेसडर

हरिद्वार, 8 अगस्त। खेल एवं षिक्षा मंत्री अरविन्द पाण्डेय ने रविवार को भारतीय हाकी टीम की सदस्य वन्दना कटारिया के रोषनाबाद स्थित उनके आवास पर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की तथा बधाई देते हुये पूरे परिवार को पुष्पगुच्छ भेंटकर एवं षॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस दौरान खेल एवं षिक्षा मंत्री अरविन्द पाण्डेय ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला हॉकी में उत्कृष्ट प्रदर्षन करने पर वंदना कटारिया को बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान की षिक्षा विभाग की ब्राण्ड एम्बैसडर घोषित किया। ब्राण्ड एम्बेसडर बनाए जाने का प्रमाण पत्र भी उन्होंने वन्दना कटारिया की माता सौरण कटारिया को प्रदान किया। इस अवसर पर मंत्री अरविन्द पाण्डेय ने कहा कि सुश्री वन्दना कटारिया ने पूरे विष्व में देष व उत्तराखण्ड का नाम रोषन किया है। उन्होंने कहा कि सुश्री वन्दना को आगे बढ़ाने में उनके परिजनों ने हर कदम पर जो सहयोग व योगदान दिया है, वह सराहनीय है। देष के अन्दर एक से एक उदीयमान खिलाड़ी हैं। वन्दना कटारिया ने अभाव के बीच संघर्ष करते हुये आज पूरे विष्व में देष, प्रदेष तथा अपना नाम रोषन किया है। उन्होंने कहा कि आसपास के बच्चे, जिन्होंने वन्दना को बचपन से देखा है, वे उनकी सफलता से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि इससे सीख लेकर उदीयमान खिलाड़ियों को आगे बढ़ना चाहिये ताकि यह पल उनके जीवन में भी आये। अरविन्द पाण्डे ने टोक्यो

ओलम्पिक में वन्दना कटारिया, नीरज चोपड़ा आदि खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्षन का उल्लेख करते हुये कहा कि खेल के क्षेत्र में इन बच्चों ने अच्छी षुरूआत की है तथा नये बच्चों के लिये रास्ता खोला है। उन्होंने उत्तराखण्ड खेल नीति का उल्लेख करते हुये कहा कि हमने बड़े मन से खेल नीति बनाई है। इस खेल नीति में हमने बच्चों को आकर्षित करने के लिये अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, प्रदेष आदि स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्षन करने पर सरकारी सेवाओं में अवसर देने की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि बच्चों को खेल की ट्रेनिंग लेने में कोई दिक्कत न हो, इसके लिये फण्ड की स्थापना करने की कोषिष भी कर रहे हैं। क्षेत्रीय विधायक आदेष चौहान ने वन्दना कटारिया के परिजनों को बधाई दी तथा वन्दना के हॉकी में उत्कृष्ट प्रदर्षन एवं परिजनों द्वारा वन्दना कटारिया को आगे बढ़ाने में जो सहयोग प्रदान किया, उसकी प्रषंसा की। इस अवसर पर एडीएम के.के. मिश्रा, मुख्य षिक्षा अधिकारी डा.आनन्द भारद्वाज, मुख्य षिक्षा अधिकारी, सन्तोष कुमार चमोला, जिला क्रीड़ा अधिकारी सुनील डोभाल, सहायक कीड़ाधिकारी, सुश्री नेहा जोषी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा, सुनील सैनी मीडिया प्रभारी, विभिन्न खेलों के खिलाड़ी सहित सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण तथा पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

वरिष्ठ पत्क्कार को गिरफ्तार किए जाने पर पत्रकारों ने दिया कोतवाली पर धरना

हरिद्वार। वरिश्ठ पत्रकार वेदप्रकाष चौहान व परिवार के अन्य लोगों के खिलाफ पड़ोसी के साथ मामूली घटना में पोस्को के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार कर जेल भेजने के मामले में पुलिस पर द्वेशपूर्ण कारवाई का आरोप लगाते हुए प्रेस क्लब के आह्वान पंर जिले भर से आए पत्रकारों ने देवपुरा स्थित प्रेस क्लब से कोतवाली तक मार्च निकाला और धरना दिया। धरने पर बैठे पत्रकारों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कोतवाली प्रभारी सहित सभी दोशी अधिकारियों को निलंबित किये जाने की मांग की। बीती 4 अगस्त को वरिश्ठ पत्रकार वेदप्रकाष चौहान का अपने पडोसियों के साथ विवाद हो गया था। इस पर पड़ोसी परिवार की और कोतवाली में षिकायत दर्ज करायी गयी थी। पत्रकारों का आरोप है कि पुलिस ने द्वेशपूर्ण कार्रवाई करते हुए वेदप्रकाष चौहान और उनके परिजनों के खिलाफ गालीगलौच और मारपीट के साथ पोस्को अधिनियम जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने वेदप्रकाष और उनके बेटे संजय चौहान को बयान देने के बहाने घर से कोतवाली बुलाया और वंहा उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पत्रकारों का कहना है कि मामूली विवाद में पोस्को जैसी गंभीर धारा

लगाया जाना गलत है। इससे साफ जाहिर होता है कि पुलिस ने वेदप्रकाष और उनके परिजनों के खिलाफ द्वेशपूर्ण तरीके से की है। पिछले दिनों लॉकडाउन के दौरान वेदप्रकाष का पुलिस से विवाद हो गया था। जिसके बाद से ही पुलिस उन्हें फ़र्जी मामले में फंसाने की साजिष कर रही थी। जब वेदप्रकाष की गिरफ्तारी की सूचना मिलने पर कुछ पत्रकार कोतवाली पंहुचे तो कोतवाल और विवेचना अधिकारी ने पत्रकारों के साथ भी अभद्रता की और उनके खिलाफ भी सरकारी काम मे बाधा डालने का मुकदमा दर्ज करने की धमकी दी। प्रेस क्लब अध्यक्ष और महामंत्री के नेतष्त्व में जिले के सभी पत्रकार संगठनों ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोशी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

हरकी पैड़ी पर बर्थडे मनाते धारे गए

हरिद्वार। नगर कोतवाली व हरकी पैड़ी चौकी पुलिस ने आपरेषन मर्यादा के तहत हरकी पैड़ी पर केक काटकर जष्न मना रहे पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। ध ार्मिक स्थलों की मर्यादा बनाए रखने के लिए पुलिस आपरेषन मर्यादा चला रही है। जिसके तहत हरकी पैड़ी व अन्य गंगा घाटों पर हुड़दंग करने व गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई की जा रही है। अभियान के तहत षनिवार की रात हरकी पैड़ी पर केक काटकर जन्मदिन का जष्न मना रहे हरियाणा के चार व एक स्थानीय व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 151 के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा घाटों पर गंदगी कर 17 लोगों के खिलाफ पुलिस अधि ानियम के तहत कार्रवाई करते जुर्माना वसूल किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में कमल, संदीप, दीपक, रूप पांडे निवासी बल्लभगढ़ फरीदाबाद हरियाणा व विकास पांडे निवासी षास्त्री नगर ज्वालापुर हरिद्वार षामिल हैं। जुलाई माह से षुरू किए गए अभियान के तहत गंगा घाटों पर हुड़दंग व गंदगी फैलाने के मामले में अब तक 338 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की गयी है।

वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित, सभी टीका अवश्य लगवाएं-राम अरोड़ा

हरिद्वार। उत्तरांचल पंजाबी महासभा के सहयोग से पंजाबी धर्मषाला में आयोजित षिविर में 670 लोगों को कोविड से बचाव के वैक्सीन का टीका लगाया गया। इस अवसर पर उत्तरांचल पंजाबी महासभा के प्रदेष महामंत्री सुनील अरोड़ा ने कहा कि लगातार दो वर्श से पूरी दुनिया कोरोना महामारी से पीड़ित है। कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन ही एक मात्र उपाय है। सभी को वैक्सीन का टीका अवष्य लगवाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना काल षुरू होने के बाद से ही उत्तरांचल पंजाबी महासभा लगातार जरूरतमंदों के लिए अभियान चला रही है। वैक्सीनेषन के लिए भी लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है। रविवार को आयोजित षिविर में 670 लोगों को वैक्सीन का टीका लगाया गया। सुनील अरोड़ा ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक में भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देष का नाम रोषन करने वाले नीरज चोपड़ा के परिवार को पंजाबी समाज सैल्यूट करता है। जिला महामंत्री राम अरोड़ा व प्रदेष युवा महामंत्री अक्षत कुमार कुमार ने कहा वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है। सभी को वैक्सीन अवष्य लगवानी चाहिए। उन्होंने कहा अधिक से अधि ाक लोगों को वैक्सीन लग सके, इसके

लिए उत्तरांचल पंजाबी महासभा लगातार षिविर का आयोजन कर रही है। इस दौरान जिला संगठन मंत्री प्रवीण गाभा, ऋशि सचदेवा, सचिन अरोड़ा, राकेष अरोड़ा, संजय षर्मा, केटू भाई., लक्की, महिला प्रकोश्ठ की जिलाध्यक्ष कामिनी सडाना, जिला महामंत्री मीनाक्षी छबड़ा, नगर अध्यक्ष षालू अहूजा, नगर संयोजक हिमानी मेहता, कंचन तनेजा, रंजना झा, आरती, अमन, रोबिन, सोनू, मोहित, अर्पित आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

तीलू रौतेली पुरस्कार वितरण में कांग्रेस ने लगाया बंदरबांट का आरोप

पौड़ी । तीलू रौतेली पुरस्कार में हुई बंदरबांट पर कांग्रेस पार्टी की महिला जिलाध्यक्ष नीलम रावत ने सरकार पर हमला बोला है। कहा कि की वर्तमान सरकार ने तीलू रौतेली पुरस्कारों के लिए जिन महिलाओं का नाम चयनित किया है उनमें से अधिकांश भाजपा, आरएसएस कार्यकर्ता व भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की रिश्तेदार हैं। जिन्होंने कभी भी समाज के लिए कोई कार्य नहीं किया है। रविवार को नीलम रावत ने जारी एक प्रेस नोट में कहा कि वीरांगना तीलू रौतेली के नाम पर प्रदेश में एक पुरस्कार जो नारियां विषम परिस्थितियों में विशिष्ट योगदान अपने क्षेत्र अथवा समाज व देश के लिए देतीं है दिया जाता है । लेकिन भाजपा की वर्तमान सरकार ने तीलू रौतेली पुरस्कार में बड़ी बंदरबांट की है। कहा कि तीलू रौतेली पुरस्कार के लिए चयनित महिलाओं के विशिष्ट कार्यों के प्रमाणीकरण के लिए एक अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए। कहा कि सरकार को कोविड केयर में अपने सारे जीवन की पूंजी देने वाली चमोली जिले की देवकी भंडारी को इस इनाम के लिए प्रमुखता के साथ स्थान दिया जाना चाहिए था। कहा कि कांग्रेस का महिला संगठन हर जिले में भाजपा की इस नीति का विरोध करते हुए यह संकल्प लेता है कि भारतीय जनता पार्टी के इस चेहरे को प्रदेश की जनता के सामने लाएगा और भाजपा की पुरस्कारों की सूची में चयनित महिलाओं की हकीकत को जनता के सामने उनके जिलों में ही चुनौती देकर पुरस्कारों के राजनैतिककरण का सच जनता के सामने लाने का प्रयास किया जाएगा।

राज्य निर्माण के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

पौड़ी। उत्तराखंड राज्य निर्माण की जन्म भूमि रही पौड़ी में रविवार को आंदोलनकारियों ने राज्य के निर्माण के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान आंदोलनकारियों ने कहा कि राज्य बनने के बाद आज तक राज्य निर्माण की नगरी पौड़ी की उपेक्षा हो रही है। अब नए मुख्यमंत्री से शहर के विकास की काफी उम्मीदें हैं। रविवार को आडिटोरियम के बाहर राज्य निर्माण की लड़ाई के शहीदों के बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान राज्य आंदोलनकारी एवं नगर पालिका अध्यक्ष यशपाल बेनाम ने कहा कि आज के ही दिन आठ अगस्त 1994 को आडिटोरियम के बाहर राज्य निर्माण की मांग को लेकर धरने पर बैठे आंदोलनकारियों पर लाठीचार्ज किया गया लेकिन तब आंदोलन शांत न होकर और तेजी से बढ़ा और पूरे राज्य के जनपदों में राज्य निर्माण की मांग चिंगारी बनकर जन आंदोलन का रुप लेने लगी। कहा कि राज्य के निर्माण में पौड़ी का इतिहास गवाह है लेकिन राज्य बनने के बाद जो विकास यहां होना चाहिए था, उस दिशा में ऐसा कुछ खास देखने को नहीं मिला। उन्होने आडिटोरियम को हैरीटेज स्ट्रीट घोषित किए जाने की मांग सरकार से भी की। इस मौके पर व्यापार संघ के अध्यक्ष हेमेंद्र नेगी, रोशन रावत, दीपेंद्र काला, प्रशांत काला आदि शामिल थे।

घुड़दौड़ी के कुलसचिव और कर्मचारी ने दी एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर

पौड़ी। जीबी पंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान घुड़दौड़ी के कुलसचिव और एक कर्मचारी ने एक-दूसरे के खिलाफ स्वयं की जान को खतरा बताते हुए पुलिस में तहरीर देकर सुरक्षा की मांग की है। मामले में एसएसपी पौड़ी ने कोतवाल पौड़ी को जांच के निर्देश दिए हैं। जीबी पंत अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान घुड़दौड़ी के कुलसचिव संदीप कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि संस्थान में सेवारत कुछ कर्मचारी संस्थान की छवि को धूमिल करने में लगे हैं। संस्थान में 9 अगस्त को कर्मचारी बैठक कर रहे हैं। जिससे संस्थान की शांति भंग होने के साथ ही कई प्रकार की अव्यवस्थाएं हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी भरत सिंह नेगी संस्थान विरोधी गतिविधियों में शामिल रहते हैं। इनके खिलाफ पहले भी पुलिस को शिकायत दी गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई है। कहा है कि मेरी जान को खतरा है, इसलिए मुझे सुरक्षा प्रदान की जाय।वहीं कर्मचारी भरत सिंह नेगी ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि कुलसचिव अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने बिना कारण ही मेरा कम्प्यूटर सिस्टम सीज कर दिया है। साथ ही कहा गया है कि मेरे द्वारा संस्थान में हो रहे भ्रष्टाचार व अनियिमितताओं को उजागर किया जाता रहा है। जिसके चलते कुलसचिव द्वारा लगातार मुझ पर अनेक प्रकार से दबाव बनाया जाता रहा है। उन्होंने तहरीर में कुलसचिव पर बार-बार धमकी देने का आरोप भी लगाया है। उन्होंने जान-माल का भय बताते हुए सुरक्षा की मांग की है। एसएसपी पौड़ी पी. रेणुका देवी ने बताया कि मामले की जांच के निर्देश कोतवाल पौड़ी को दे दिए गए हैं। जांच के बाद ही मामले में कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

चौथे दिन भी ऋषिकेश-बद्रीनाथ हाईवे पर जाम मे फंसे यात्री

श्रीनगर गढ़वाल। ऋषिकेश-बद्रीनाथ राजमार्ग पर श्रीनगर से दस किमी दूर चमधार ने चौथे दिन भी यात्रियों को रूलाया। लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए घंटों सड़कों पर जाम में फंसना पड़ा। चमधार में बड़ी मात्रा में मलबा और पत्थर आना नहीं थमने के कारण एनएच विभाग के भी राजमार्ग खोलने में पसीनें छूट रहे है। वहीं स्वीत भटोली मार्ग पर दलदल होने के कारण कई वाहन फंसने से श्रीनगर पुलिस को जाम खुलवाने में चार दिन से काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। राजमार्ग बंद दूसरी ओर स्वीत- मंदोली चकवाली-भटोली मार्ग की बुघाणी-देवलगढ़ मार्ग के बुरे हाल है। सड़क पर संकरी और डामरीकरण न होने के चलते बरसात होने से कीचडनुमा हो रखी है। जिससे राजमार्ग बंद होने से उक्त मार्ग से जाने वाले अधिकांश वाहन फंसते रहे। जिस कारण उक्त मार्ग पर घंटो जाम लगने से लोग सड़कों पर फंसे रहे। रुद्रप्रयाग से देहरादून जा रहे विजय रावत और श्रीनगर आ रहे संतोष पुरी ने बताया कि रुद्रप्रयाग से श्रीनगर तक पहुंचने के लिए पांच से छह घंटे लगे। स्वीत-भटोली मार्ग की स्थिति काफी तंग है। जिससे जाम में लोग फंसे रहे। उक्त मार्ग भाजपा शासन में डामरीकरण नहीं हो सका। देवलगढ़ क्षेत्र सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास सामिति के अध्यक्ष कुंजिका प्रसाद उनियाल ने स्थानीय विधायक डॉ. धन सिंह रावत एवं लोनिवि को पत्र भेजकर उक्त मार्ग के चौड़ीकरण करने तथा भटोली नामक स्थान पर फिलहाल पत्थर बिछाने,दीवार लगाने व पुस्ता लगाने की मांग की। कहा कि भटोली में विगत दो साल से मुख्य सड़क का पुश्ता टूटा होने से मिट्टी सड़क पर आने से कीचड़ हो रहा है।

सीएम आवास कूच करने जा रहे राज्य आन्दोलनकारी गिरफ्तार व रिहा

देहरादून। राज्य सरकार की उपेक्षा से बेहद नाराज राज्य आंदोलनकारियों ने रविवार को भारी संख्या में एकत्र होकर सीएम आवास कूच किया। राज्यभर से आंदोलनकारी दून पहुंचे थे। हाथीबड़कला बैरिकेडिंग पर पुलिस और आंदोलनकारियों में आगे बढ़ने को लेकर जोर आजमाइश हुई। इसके बाद आंदोलनकारियों ने सड़क पर ही बैठकर अनशन की घोषणा कर दी। सीएम के प्रतिनिधि बनकर आए कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी की ओर से वार्ता का आश्वासन देने पर भी राज्य आंदोलनकारी सभी मांगों पर तत्काल निर्णय पर डटे रहे। जब आंदोलनकारियों ने सड़क से हटने से इंकार कर दिया तो पुलिस को पदाधिकारियों को गिरफ्तार करना पड़ा। गिरफ्तारी के दौरान एक बार फिर से पुलिस व आंदोलनकारियों में नोकझोंक हुई। १५० से अधिक आंदोलनकारी गिरफ्तार किए गए, जिन्हें परेड ग्राउंड लाकर छोड़ा गया। उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर प्रदेशभर के राज्य आंदोलनकारी सुबह दिलाराम चौक मीडो प्लाजा के पास एसबीआई कार्यालय परिसर में जुटे और नारेबाजी करते हुए सीएम आवास की ओर बढ़े। करीब दो-तीन सौ आंदोलनकारियों को हाथीबड़कला में पुलिस ने आगे बढ़ने से रोक दिया। राज्य आंदोलनकारी मंच अध्यक्ष जगमोहन सिंह नेगी ने कहा कि अब मांग पूरी होने तक वह सड़क पर ही डटे रहेंगे, पर पीछे नहीं हटेंगे। आंदोलनकारी सम्मान परिषद के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र जुगराण ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों को दस प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण के लिए छह साल से लटकाया गया है। राजभवन उसे पास नहीं कर रहा, सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। क्षैतिज आरक्षण का पेंच न सुलझने से कई आंदोलनकारियों को नौकरी से हटाने का नोटिस मिलना शुरू हो गया। मंच के जिला अध्यक्ष प्रदीप कुकरेती ने कहा कि अगस्त क्रांति दिवस पर हुए इस प्रदर्शन का उद्देश्य सरकार को यह बताना है कि राज्य आंदोलनकारी एक बार फिर से उत्तराखंड आंदोलन के लिए लड़े गए व्यापक आंदोलन के मूड में है। पूर्व सीएम त्रिवेन्द्र रावत ने राज्य आंदोलनकारियों व राज्य के पूरे ४ वर्ष खराब कर दिए। सैकड़ों राज्य आंदोलनकारी बेरोजगार होकर सड़कों पर आने को विवश हैं।

तीलू रौतेली पुरस्कार पर कांग्रेस हुई हमलावार

नई टिहरी। महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष दर्शनी रावत ने तीलू रौतेली पुरस्कार में हुई बंदरबांट पर भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने आरोप लगाते हुये कहा कि सीएम धामी के गृह क्षेत्र के लोगों को खासकर यह पुरूस्कार के लिए चुना गया है। मानकों को ताक पर रखकर चेहेतों को पुरूस्कार की बंदरबांट कर तीलू रौतेली के नाम के साथ खिलवाड़ है। रावत कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि जीरों टालरेंस की पारदर्शी भाजपा सरकार में ऐसा हुआ है कि योग्य महिलाओं के दर किनार कर चहेतों व भाजपा कार्यकत्रियों को यह पुरूस्कार देने का काम किया गया है। जिससे महिला शक्ति के द्योतक इस पुरूस्कार का रानीतीकरण व अवमुल्यन हुआ है। कहा वंदना कटारिया सहित एक आध महिलाओं को छोड़ चहेते भाजपा कार्यकर्ताओं को यह पुरूस्कार देने का काम किया गया है। पुस्स्कार की सूची देख कर ऐसा लगाता है, जैसे यह सूची भाजपा कार्यकर्ताओं की हो। भाजपाईयों को टारगेट करते हुये कहा कि चंबा में श्रीदेव सुमन की बड़ी मूर्ति तो लगा दी, लेकिन श्रीदेव सुमन के आदर्शों को तार-तार करते हुये युवाओं की नौकरी छिनने का काम किया गया है। ऐसे में भाजपा का करनी और कथनी का अंतर लोगों के सामने आ रहा है। जिसका जबाब देने के लिए जनता चुनावों को इंतजार कर रही है। कांग्रेस बुद्धि जीवी प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ममता उनियाल ने कहा कि जिस तरह से तीलू रौतेली पुरूस्कार के लिए किसी जिल से चार तो किसी जिले से एक महिला चुनी गई है। इससे लगता है कि इस पुरूस्कार का कोई मानक ही नहीं है। भाजपा पुरूस्कार का भाजपाईकरण करके रख दिया है। पत्रकार वार्ता में इस मौके पर सेवादल की आशा रावत, महामंत्री पिंकी रावत, ब्लाक अध्यक्ष शंकुतला, अनिता रावत, मीना पुंडीर, सरिता रावत आदि मौजूद रहे।

सदैव कल्याणकारी होती है भगवान शिव की आराधना-स्वामी कैलाशानंद गिरी

हरिद्वार, । निरंजन पीठाधीष्वर आचार्य महामण्डलेष्वर स्वामी कैलाषानंद गिरी महाराज ने विभिन्न प्रकार के फूलों व द्रव्यों से भगवान भोलेनाथ का जलाभिशेक कर विष्व कल्याण की कामना करते हुए कहा कि महादेव भगवान षिव की आराधना सदैव कल्याणकारी होती है। श्रावण माह भगवान षिव को प्रसन्न कर उनकी कष्पा प्राप्त करने का सबसे बेहतर अवसर है। श्रावण में प्रतिदिन विधि विधान से भगवान षिव का पूजन व जलाभिशेक करने पर उनकी कष्पा सदैव बनी रहती है। षिव कष्पा से साधक के कल्याण का मार्ग प्रषस्त होता है। जीवन के सभी कश्ट दूर हो जाते हैं। परिवार में सुख समष्द्धि का वास होता है। उन्होंने कहा कि श्रावण मास में की गयी षिव उपासना सहस्त्र गुणा पुण्य फलदायी होती है। भगवान षिव पर दूध, दही, भांग, धतूरा आदि अर्पित करने से भगवान साधक पर प्रसन्न होते हैं और उसे अपनी कष्पा का पात्र बना लेते हैं। भक्त की सूक्ष्म आराधना से ही भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होकर मनवांछित फल प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि श्रावण मास में भक्तों को भगवान षिव का जलाभिशेक अवष्य करना चाहिए। भक्तों की सभी मनोकामनाएं भोलेनाथ की कष्पा से पूर्ण होती हैं। कश्टों से मुक्ति पानी है तो भगवान षिव का स्मरण करते रहें। स्वामी कैलाषानंद गिरी महाराज ने कहा कि प्रत्येक वर्श श्रावण मास में श्री दक्षिण काली मंदिर में भगवान षिव का दुग्धाभिशेक व जलाभिशेक किया जाता है। श्रावण मास में भक्तजनों को सच्चे मन से भोलेनाथ की पूजा अर्चना करनी चाहिए। भगवान षिव अपने भक्तों पर सदैव कष्पा बरसाते हैं। सौभाग्यषाली भक्तों को ही सिद्धपीठ श्री दक्षिण काली मंदिर में भगवान षिव का जलाभिशेक करने का अवसर प्राप्त होता है। इस दौरान आचार्य पवनदत्त मिश्र, पंडित प्रमोद पाण्डे, अंवतिकानंद ब्रह्मचारी, कष्ण्णानंद ब्रह्मचारी, बालमुकुंदानंद ब्रह्मचारी, लालबाबा, स्वामी रघुवीरानंद आदि मौजूद रहे।

20 अगस्त तक देवप्रयाग विस के भ्रमण पर रहेंगे पूर्व कैबिनेट मंत्री

श्रीनगर गढ़वाल। कोविड काल में संक्रमित हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री, मंत्री प्रसाद नैथानी स्वस्थ्य होने के बाद सोमवार से देवप्रयाग विस के विभिन्न गांवों के भ्रमण पर पहुंचेंगे। पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रसाद नैथानी ने कहा कि सोमवार को देवप्रयाग, 10 अगस्त को रानीढौक बैड भटकोट, 11 अगस्त को नगर पंचायत कीर्तिनगर, 12 अगस्त को थापली चौरास, 13 अगस्त को आमणी, 14 को तेगड़, 16 को आछरीखुंड, सहित दीवका, उनाणा, सिल्काखाल और 20 अगस्त को धारी ढुडुसिर का भ्रमण करेगे। उन्होंने कहा कि कोविड काल को देखते हुए क्षेत्र में सोशल डिस्टेंस के साथ कार्यकर्ताओं एवं जनता के मिलन कार्यकम होगा।

संक्षिप्त समाचार

प्रधान संगठन को कमजोर कर रहे कुछ लोग : पंवार

श्रीनगर गढ़वाल। प्रधान संगठन कीर्तिनगर के अध्यक्ष जवाहर सिंह पंवार ने कहा कि कीर्तिनगर प्रधान संगठन को कुछ लोग कमजोर करने का कुचक्र रच रहे हैं। जो कि संगठन नियमों की उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कार्यकारिणी से लेकर जिला स्तर की कार्यकारिणी द्वारा कीर्तिनगर में बने प्रधान संगठन द्वारा संगठन मांगों को लेकर किये जा रहे आंदोलन व संघर्ष से संतुष्ट है, किंतु कीर्तिनगर के कुछ जनप्रतिनिधियों द्वारा दो–चार लोगों के साथ मिलकर नये संगठन का गठन कर संगठन को कमजोर करने का कुचक्र रचा जा रहा है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में प्रधान संगठन के अध्यक्ष जवाहर सिंह पंवार ने कहा कि कीर्तिनगर संगठन लगातार जनप्रतिनिधियों की मांग एवं विकास कार्यों के बजट को लेकर आंदोलन कर रहा है। किंतु आंदोलन एंव संगठन को कमजोर करने को कुछ लोग षडयंत्र रचकर संगठन को बदनाम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कीर्तिनगर में पूरा संगठन जब अपनी मांगों को लेकर प्रदेश कार्यकारिणी के आह्वान पर संघर्ष कर रहा है तो इस बीच नयी कार्यकारिणी गठन करना औचित्यहीन है। पंवार ने कहा कि संगठन के संरक्षक ब्लॉक प्रमुख सोबन सिंह पंवार सहित अन्य पदाधिकारी नयी कार्यकारणी के गठन में मौजूद नहीं थे। जल्द ही संगठन की बैठक कर संगठन को कमजोर करने वालों को सबक सिखाया जायेगा। ताकि कीर्तिनगर के समस्त जनप्रतिनिधियों की एकजुटता से संगठन की मांगें शासन स्तर से हल हो सके।

चमोली जिले की 31 सड़कें बंद

चमोली। चमोली के तीन लिंक मार्ग रविवार को भी बंद रहें। इससे ग्रामीणों को कई किलोमीटर पैदल चलकर आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिये बाजार आना पड़ रहा है। जनता कई बार गुहार लगा रही है लेकिन सड़कें बंद हैं। गौरतलब तथ्य यह भी है कि आपदा के दिनों को छोड़कर इस वर्षा काल में जिले के अधि कांश इलाकों में कम वर्षा हुयी है। इसके बावजूद भी सड़कों पर रगड़ बगड़ जारी रही। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी एनके जोशी ने बताया कि सड़कों को सुचारु करने का कार्य जारी है । प्रशासन का दावा था कि सड़कों पर हर वक्त जेसीबी मशीनें तैनात रहेंगी। जो आपदा या मलबा आने पर सड़क सुचारु करेंगी। पर अभी तक बंद 31 सडकें बता रही हैंध्ं कि हालात क्या हैं। आपदा प्रबंधन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार 131 मशीनें सड़क खोलने के काम में लगाये गये हैं। चमोली गोपेश्वर को जोडने वाले और अलकनन्दा नदी पर बने पुल के प्रवेश की सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे पड़े हैं। इससे पुल को भी खतरा बना है। व्यापार संघ के नेता पवन राठौर ने बताया कि इस सम्बंध में सम्बधित विभाग को जानकारी भी दी गई। पर अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ।

60 दिनों से बाधित सड़क को बनाने जुटे ग्रामीण

चमोली। चमोली जिले के पीपलकोटी अमरपुर कम्यार के ग्रामीण शासन–प्रशासन की उपेक्षा से निराश होकर अब खुद ही बंद पड़े मार्ग को खोलने में जुट गए हैं। कम्यार गांव की सात किमी सड़क इन दिनों जगह–जगह मलबा आने से बंद है। ग्राम प्रधान सुमन नेगी का कहना है कि कई बार विभाग को सड़क के संबंधि त जानकारी भी दी गई ।लेकिन विभाग की ओर से अभी तक कोई कार्रवाही नहीं की गई है। अमरपुर कम्यार गांव को जोडने वाली सड़क पीपलकोटी से 7 किमी पर है। जो पीडब्ल्यूडी व पीएमजीएसवाई विभाग के पास है। विभाग द्वारा 2 महिने बीत जाने पर भी सड़क का सुधारीकरण कार्य नहीं किया गया है। ग्रामीण जगत सिंह नेगी, भगत सिंह, कुंदन सिंह, अनिल सिंह, लक्ष्मी प्रसाद, प्रमोद, सुरज, सुशिला देवी का कहना है कि 60 दिनों से अधिक समय बीत जाने पर भी विभाग का उदासीन रवैया देखने को मिल रहा है। जिससे ग्रामीणों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अब ग्रामीण स्वयं सड़क खोलने में जुट गये हैं।

देवाल में महाविद्यालय शीघ्र खोलने की मांग

नई टिहरी। देवाल विकासखंड में महाविद्यालय खोलने की मांग पिछले लम्बे समय से चली आ रही है, लेकिन अभी तक महाविद्यालय नहीं खुलने से देवाल के छात्रों को उच्चशिक्षा के लिए गोपेश्वर श्रीनगर, अल्मोड़ा बागेश्वर जाना पड़ रहा है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने शीघ्र देवाल में महाविद्यालय खोलने की मांग प्रदेश के मुख्यमंत्री से की है। पूर्व जेष्ठ प्रमुख मोहन राम आर्य, पिंडारी सघंर्ष समिति के अध्यक्ष युगराज बसेड़ा, प्रधान संध पूर्व अध्यक्ष पुष्कर फरस्वार्ण, समाज सेवी सुरेन्द्र सिंह रावत, हरीश मिश्र ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भेजे ज्ञापन में कहा कि गया है, कि देवाल विकास में 46 ग्राम पंचायतें हैं। लगभग तीस हजार की आबादी बाले देवाल में 6 इंटरकालेज 12 हाईस्कूल है। लेकिन महाविद्यालय नहीं होने से यहां के अधिकांश छात्र इंटर के बाद मैदानी क्षेत्र के लिए पलायन कर जाते है। या फिर उच्चशिक्षा ग्रहण करने से वंचित रह जाते हैं। छात्रों के भविष्य को देखते हुए देवाल में महाविद्यालय की सख्त जरूरत है। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि अन्य विकासखंड में महाविद्यालय खुल गए हैं, मात्र देवाल ही बचा है जहां महाविद्यालय नहीं है।

आमसोड़–सेरागाड़–कालूसैंण मोटर मार्ग को ठीक करने की मांग की

नई टिहरी। सेरागाड़ सहित आस पास के गांवों के ग्रामीणों ने आमसोड़–सेरागाड़–कालूसैंण मोटर मार्ग को ठीक करने की मांग की है। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य राकेश जुयाल, कपीरी संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह नेगी सहित अन्य का कहना है कि बारिश के चलते पूरा मोटर मार्ग कई जगह मलबे से पटा है। ग्रामीणों ने लोनिवि गौचर के अधिकारियों से शिकायत करते हुए जल्द सड़क को यातायात के लिए ठीक करने की मांग की है।

सुषमा की भाजपा में वापसी

नई टिहरी। चुनाव के नजदीकी दिनों में रूठों को मनाने का काम शुरू हो गया है। बीते नगर पालिका चुनाव में भाजपा की बागी रही सुषमा उनियाल की भाजपा में वापसी हो गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने सुषमा उनियाल की भाजपा में वापसी करते हुये उनका स्वागत किया। बीते नगर पालिका चुनाव में सुषमा उनियाल रनर प्रत्याशी रही

त्रिवेणीघाट पर बने जूताघर को किया ध्वस्त

ऋषिकेश। त्रिवेणीघाट में विवाद का कारण बना जूता घर आखिरकार रविवार सुबह तोड़ दिया गया। नगर निगम प्रशासन ने यहां जेसीबी चलाकर जूताघर को ध्वस्त किया। जूताघर तोड़े जाने पर विभिन्न संगठनों ने ऋषिकेश मेयर का आभार जताया। दो वर्ष पहले एमडीडीए द्वारा त्रिवेणीघाट के द्वार पर जूताघर का निर्माण करवाया था। उस समय भी कई सामाजिक संस्थाओं ने इसका विरोध किया। बावजूद इसके जूताघर का निर्माण कर दिया गया। इसको लेकर लगातार धार्मिक संगठन शासन प्रशासन से शिकायतें करते रहे और यहां जूताघर निर्माण को आस्था के नजरिए से गलत ठहराते रहे। ऐसे में नगर निगम प्रशासन ने धार्मिक संगठनों की सुध ली और दो दिन के भीतर हटाने के लिए एमडीडीए को पत्र भेजा। इसमें नगर निगम प्रशासन ने जूताघर के लिए नगर निगम की एनओसी नहीं लेने की बात कही। दो दिन बीतने के बाद रविवार सुबह नगर निगम प्रशासन की टीम मेयर अनिता ममगाईं के नेतृत्व में त्रिवेणीघाट पहुंची और इसे ध्वस्त किया गया। ध्वस्तीकरण के समय लोगों ने आतिशबाजी कर मिठाई बांटी और मेयर अनिता ममगाईं का आभार जताया। मेयर ने कहा कि सौंदर्यीकरण के नाम पर धार्मिक आस्था के विपरीत निर्माण कार्यों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। एमडीडीए के अधि कारियों को 2 दिन के भीतर जूताघर को हटाने का अल्टीमेटम दिया गया था। कहा कि एमडीडीए के अधिकारियों द्वारा सरकारी खजाने को बेवजह लुटाने को लेकर वह मुख्यमंत्री से शिकायत कर जूताघर के निर्माण में व्यय हुई धनराशि उन्हीं से ही वसूल करने की मांग करेंगी। कारवाई के दौरान गंगा के कार्यकारी अध्यक्ष राहुल शर्मा, घाट रोड व्यापार सभा के अध्यक्ष पवन शर्मा, सुभाष क्लब दशहरा कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष ललित सक्सेना सहित छठ पूजा समिति अध्यक्ष राम कृपाल गौतम, सदस्य राजपाल ठाकुर, गिरीश राजभर आदि मौजूद रहे। उधर, जूताघर हटवाने के लिए राजेश कुमार गौतम, पंकज शर्मा, पार्षद मनीष बनवाल, गोपाल गिरी महाराज, सरस्वती गिरी महाराज, भूपेन दास, कर्माकर महाराज, धीरेंद्र जोशी, भोला गिरी, अशोक ढींगरा, चंदना, वैशाली विश्वास, धीरेंद्र कुमार, रूपेश गुप्ता, अक्षय खेरवाल, धीरेंद्र कुमार, गौरव कैंथोला ,जॉनी लांबा, प्रिंस गुप्ता आदि ने मेयर का आभार जताया।

वन आरक्षी संघ की नई कार्यकारिणी का गठित

विकासनगर। चकराता वन प्रभाग की वन बीट अधिकारी संघ (वन आरक्षी संघ) का एक दिवसीय अधिवेशन रविवार को संपन्न हुआ। अधिवेशन के दौरान संघ की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसके साथ ही वन कर्मियों ने समस्याओं पर चर्चा कर विभाग से जल्द सभी समस्याओं के निस्तारण की मांग की है। अधिवेशन के पहले सत्र में दीपक उनियाल की अध्यक्षता में नई कार्यकारिणी चुनी गई। जिसमें राहुल चौहान अध्यक्ष, प्रीतम चौहान उपाध्यक्ष, भगत राणा संगठन मंत्री राणा, अतर सिंह कोषाध्यक्ष, वर्षा रानी संप्रेषक और भीम सिंह थापा संरक्षक नियुक्त किया गया। अधिवेशन के दूसरे सत्र में समस्याओं पर चर्चा करते हुए नव नियुक्त अध्यक्ष राहुल चौहान ने विभाग पर प्रभागों को समाप्त करने की साजिश करने का आरोप लगाते हुए रोष प्रकट किया। उन्होंने कहा कि प्रभागों को समाप्त करने से कर्मचारियों के हित प्रभावित होंगे, कर्मचारियों की पदोन्नति के अवसर समाप्त हो जाएंगे। कहा कि उत्तराखंड में वन संपदा अधिक है, लिहाजा वनों और वन्य उत्पादों की सुरक्षा के लिए वन प्रभागों के अस्तित्व को बनाए रखना जरूरी है। सचिव प्रीतम चौहान ने कहा कि वन कर्मियों को लंबे समय से वर्दी नहीं दी जा रही है। इन दिनों बरसात के मौसम में बिना रेनकोट गश्त पर जाना मुश्किल हो रहा है। कर्मचारियों को सर्दी के मौसम में भी गर्म वर्दी विभाग की ओर से नहीं दी जा रही है। संप्रेषक वर्षा रानी ने कहा कि वन विभाग में लंबे समय से तबादले नहीं हो रहे हैं। जिससे कई कर्मचारी करीब बीस वर्षों से दुर्गम में तैनात हैं। लिहाजा दुर्गम की सेवा पूर्ण कर चुके कर्मियों का प्राथमिकता के आधार पर सुगम में तबादला किया जाना चाहिए। संघ के नव नियुक्त पदाधिकारियों ने सभी ससमस्याओं को लेकर जल्द प्रभागीय वनाधिकारी से मिलने का निर्णय लिया।

सड़क दुर्घटना में हुई 3मौतों के आरोपी कार चालक को जेल भेजा

विकासनगर। बीती चार अगस्त को हरबर्टपुर देहरादून हाईवे पर ढाकी पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार कार के कुचलने से दो महिलाओं सहित तीन लोगों की मौत और एक युवक के गंभीर रूप से घायल होने के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग और चालक को पकड़ लिया है। नाबालिग को पुलिस ने परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया है। जबकि चालक को गिरफ्तार कर कोर्ट के समक्ष पेश किया। जहां आरोपी चालक को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। बीती चार अगस्त करीब साढ़े 11 बजे देहरादून से हरबर्टपुर की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने चार लोगों को बुरी तरह से कुचल दिया था। जिसमें दो महिलाओं और एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गयी थी, जबकि एक युवक का अब भी उपचार चल रहा है। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ गैर इरादातन हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। कार चालक कार छोड़कर फरार हो गया था। कार को पुलिस पहले ही कब्जे में लेकर सीज कर दिया है। शनिवार देर शाम को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी चालक को गिरफ्तार करने के साथ ही उसके साथा कार सवार नाबालिक को दबोच लिया। गिरफ्तार कार चालक अली खान पुत्र नियाज मोहम्मद, निवासी हिंदूवाला, सभावाला देहरादून ने पुलिस को बताया कि वह नाबालिग को कार चलाना सिखा रहा था। इस दौरान नाबालिग के पैर से ऐक्सीलेटर दब गय, जिससे कार नियंत्रित नहीं हो गई। एसओ नरेंद्र सिंह गहलावत ने बताया कि नाबालिग को हिदायत के साथ परिजनों को सौंप दिया, जबकि आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह सुनी लोगों की समस्याएं

ऋषिकेश। पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इठारना में जनता की समस्याएं सुनीं। कहा कि विधानसभा डोईवाला में विकास कार्यों में तेजी देखने को मिल रही है। क्षेत्र की समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा। रविवार को न्याय पंचायत थानों के इठारना में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पूर्व सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने भाजपाइयों के साथ पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि वे पूरे प्रदेश में पौध रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं और उनकी मुहिम को लगातार समर्थन भी मिल रहा है। अपनी विधानसभा में लगातार सामाजिक कार्यों में भी प्रतिभाग कर क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुनकर उनका निदान करवा रहे हैं। मौके पर देहरादून मेयर सुनील उनियाल गामा, भाजपा नेता विजय शर्मा, प्रकाश तिवारी आदि मौजूद रहे।

तो इस साल भी रिलीज नहीं होगी आलिया–रणबीर की ब्रह्मास्त्र!

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के चाहने वालों हेतु एक बुरी खबर है। उन्हें फिलहाल इस हॉट कपल को पर्दे पर एक साथ देखने हेतु लंबी प्रतीक्षा करनी होगी। डायरेक्टर अयान मुखर्जी की मोस्ट अवेटेड फिल्म श्ब्रह्मास्त्र को लेकर ये खबर सामने आ रही है कि ये इस वर्ष मतलब साल 2021 में रिलीज ना हो कर अगले साल 2022 में जारी होगी। हालांकि इसको लेकर भी किसी तरह का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है। एक रिपोर्ट की माने तो इस वर्ष जारी होने वाली फिल्म ब्रह्मास्त्र के मेकर्स ने इसे अगले वर्ष गर्मियों में रिलीज करने के मूड में हैं। क्योंकि अभी भी फिल्म में पोस्ट–प्रोडक्शन बाकि है, जिस पर कार्य जारी है।मीडिया में जारी खबरों के मुताबिक साल 2021 के आखिरी में अगर देश में कोरोना के चलते खराब हुए हालात सामान्य हो जाते हैं तो अयान मुखर्जी फिल्म का बचा हुआ कार्य निपटाएंगे। जानकारी के मुताबिक इससे पहले ऐसी खबरें थी कि यह फिल्म दीपावली के अवसर पर रिलीज होगी।बता दें कि ये फिल्म वर्ष 2018 से ही फ्लोर पर आ गई है किंतु किसी न किसी वजह से डिले हो रही है। हालांकि आलिया और रणबीर के फैंस को इस फिल्म का काफी बेसब्री से इंतजार है। फैंस तो शीघ्र से शीघ्र फिल्म का ट्रेलर देखना चाहते हैं पर ट्रेलर तो छोड़ों टीजर तक देखने को नहीं मिला। रणबीर और आलिया की फिल्म में अमिताभ बच्चन, मौनी रॉय और नागार्जुन जैसे कलाकार दिखाई देने वाले हैं। यह फिल्म एक बिग बजट वाली फिल्मों में एक है, इसलिए मेकर्स कोई फैसला जल्दबाजी में नहीं करेंगे। जानकारी के मुताबिक रणबीर की सालों से कोई भी नई फिल्म पर्दे पर नहीं आई है।

इमरान हाशमी ने मुकेश भट–महेश भट के साथ अपने रिश्ते का किया खुलासा, अलग होने की बताई वजह

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी को आखिरी बार संजय गुप्ता के निर्देशन में बनी ओटीटी रिलीज मुंबई सागा में देखा गया था. अब एक्टर का एक इंटरव्यू चर्चा में आ गया है. वे इस इंटरव्यू में अपने गुरु मुकेश भट्ट–महेश भट्ट के साथ प्रोफेशनल दूरियां बढने के बारे में बात कर रहे हैं. इमरान ने भट्ट जोड़ी के साथ कई फिल्में की हैं और वे विशेष फिल्म्स के साथ इमोशनली जुड़े हुए हैं.

भट्ट जोड़ी से अलग होने के बारे में इमरान ने कहा कि भले ही वे उनसे अलग होने की वजह नहीं जानते हैं, पर वे निश्चित ही इससे निराश हुए थे. इमरान ने यह भी कहा कि कुछ भी स्थाई नहीं है और सभी अच्छी चीजों का अंत होता है. वे फिर से साथ काम करने की इच्छा भी जाहिर कर रहे हैं.

उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वे उन दोनों के संपर्क में हैं और मुकेश भट्ट ने उन्हें मुंबई सागा की रिलीज से पहले विश भी किया था. इमरान ने कहा, मेरे पास विशेष फिल्म्स की कई यादें हैं. मेरी इच्छा है कि हम सभी एक साथ, एक फिल्म करने के लिए वापस आएं. मुझे नहीं पता कि सब्जेक्ट क्या होगा, लेकिन आपके सवाल का जवाब देने के लिए, मैं कहता हूं कि सभी अच्छी चीजें खत्म हो जाती हैं. चीजें बदल जाती हैं. कुछ भी स्थाई नहीं है. और उन दोनों के बीच क्या हुआ, यह जाने बिना मैं यह सब कह रहा हूं.वे आगे कहते हैं, जहां तक मेरा सवाल है, मैं अब भी उन दोनों से बात करता हूं. मुंबई सागा की रिलीज से पहले मुकेश जी ने मुझे शुभकामनाएं दी थीं. मैं महेश भट्ट के संपर्क में हूं. यह पूछे जाने पर कि क्या वे उनसे प्रोफेशनल दूरियां बढने से निराश हैं, इमरान ने कहा, हां, बिल्कुल. इस साल की शुरुआत में, मुकेश भट्ट ने घोषणा की थी कि विशेष फिल्म्स उनके बच्चे बेटी साक्षी और बेटे विशेष चलाएंगे. उन्होंने यह साफ किया कि यह हमेशा उनकी कंपनी थी, महेश केवल उनके सलाहकार के रूप में काम कर रहे थे. उन्होंने कहा, हमारी कोई लड़ाई नहीं हुई है, पर वे अब इस पद पर बने रहना नहीं चाहते हैं. काम की बात करें, तो इमरान हाशमी अगली बार फिल्म चेहरे में दिखाई देंगे, जो भारत में कोरोना की दूसरी लहर और टाइगर 3 के चलते लेट हो गई है.

श्वेता तिवारी ने लगाया हॉटनेस का तड़का, 40 साल की उम्र में ढा रही हैं कहर

सीरियल कसौटी जिंदगी की फेम श्वेता तिवारी बीते काफी समय से सुर्खियों में है. श्वेता अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा इन दिनों पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. श्वेता इन दिनों खतरों के खिलाड़ी का हिस्सा बनने केपटाउन में हैं. इसी बीच एक्ट्रेस ने अपनी बेहद हॉट पिक्स फैंस के लिए शेयर की हैं.श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी हॉट तस्वीरें शेयर करती रहती हैं.श्वेता की ग्लैमरस पिक्स का अब फैंस को भी काफी इंतजार रहता है, ऐसे में हाल ही में श्वेता ने एक बार फिर से अपनी बोल्ड पिक्स सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. श्वेता ने जो फोटोज शेयर की हैं उन तस्वीरों में वह बहुत खूबसूरत लग रही हैं. श्वेता का ये हॉट अवतार देखकर फैंस हैरान रह गए हैं. टीवी सेलेब्स भी श्वेता की फोटोज पर कमेंट कर रहे हैं. श्वेता ने पिक्स खतरों के खिलाड़ी की शूटिंग से ठीक पहले फैंस के लिए शेयर की हैं.फोटो केपटाइन की हैं ये खुद श्वेता ने इंस्टाग्राम पर लिखा है. श्वेता इन पिक्स में बालकनी में खड़ी नजर आ रही हैं. फोटोज में वह व्हाइट कलर की शॉर्ट ड्रेस पहने दिख रही हैं. इन फोटोज में वह काफी मुस्कराती नजर आ रही हैं. हर एक पिक में श्वेता अपनी हॉट अंदाओं को बिखेरती दिख रही हैं.श्वेता तिवारी हाल ही के दिनों पहले अपने कई फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की थीं. श्वेता की फोटोज और बोल्ड अंदाज देखकर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं.श्वेता को खतरों के खिलाड़ी से पहले आखिरी बार सोनी के शो मेरे डैड की

दुल्हन है मेरे देखा था. इस शो में वह वरुण वडोला के अपोजिट दिखी थीं. शो में वह एक 40 साल की अनमैरिड तेज तर्रार पंजाबी लड़की के लुक में दिखी थीं, जो एक बेटी के बाप के प्यार में पड़ जाती है. इस शो को फैंस के बीच काफी पसंद किया गया था. लेकिन अचानक से मेकर्स ने इस शो को बंद कर दिया था.पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों मेंश्वेता अपने पति अभिनव के साथ बिगड़ते रिश्तों को लेकर सुर्खियों में हैं. अभिनव कोहली ने उन पर बेटे को छोड़कर जाने का आरोप लगाया है. जिसके बाद श्वेता ने पति के कुछ सनसनीखेज सीसीटीवी के वीडियोज फैंस के लिए शेयर किए थे.

विक्की कौशल ने कई नौकरियां ठुकराने के बाद एक्टिंग का किया था रुख, आज बॉलीवुड के हैं टॉप एक्टर

आज विक्की कौशल ने अपनी शानदार एक्टिंग के बदौलत बॉलीवुड में अपनी खास जगह बना ली है. वे जिस मुकाम पर हैं, वहां पहुंचने के लिए उन्होंने बहुत मेहनत की है. हाल ही में इस वर्सटाइल एक्टर ने जन्मदिन मनाई। इस मौके पर हम एक्टर की जिंदगी के बारे में कुछ खास बातें बताई.

विक्की कौशल फीमेल फैंस के बीच अपने रफ एंड टफ लुक के लिए काफी मशहूर हैं. विक्की का जन्म 1988 में मुंबई की एक चॉल में हुआ था. बहुत कम लोग जानते हैं कि वे बॉलीवुड के स्टंटमैन शाम कौशल के बेटे हैं. जब शाम कौशल को बॉलीवुड में काम मिलना बंद हो गया था, तब वे विक्की के नौकरी में आने की उम्मीद करने लगे थे. उस समय विक्की इंजीनियरिंग कर रहे थे. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो खुद विक्की ने इस बारे में बताया था कि उनके पिता चाहते थे कि वे अच्छी नौकरी करें और अपने करियर को सेट करें. विक्की ने भले ही इंजीनियरिंग की पढ़ाई की हो, पर उनकी रुचि हमेशा एक्टिंग में थी. एक्टिंग की चाह उनमें बचपन से थी. एक्टर ने आखिर कई नौकरियां ठुकराने के बाद एक्टिंग का रुख किया और इसकी ट्रेनिंग लेने लगे. उन्होंने किशोर नमित कपूर के एक्टिंग एकेडमी में अभिनय की शिक्षा ली थी. फिर उन्हें अनुराग कश्यप के साथ जुडने का मौका मिला. वे फिल्म श्गैंग्स ऑफ वासेपुरश्य के दोनों पार्ट में बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर जुड़े थे.विक्की की जिंदगी में 2015 खास महत्व रखता है, क्योंकि उन्हें उस साल अपनी पहली फिल्म मसान में बतौर एक्टर काम करने का मौका मिला था. इस फिल्म में विक्की का मुख्य रोल था, जिसे दर्शकों ने बहुत पसंद किया. लोगों ने उनके टैलेंट को पहचाना. वे जल्द ही दूसरे फिल्मकारों की नजरों में आए. इसके बाद विक्की को कई फिल्मों में काम करने के मौके मिले.फिर विक्की की उरीरू द सर्जिकल स्ट्राइक आई. इस फिल्म ने एक्टर को लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचा दिया.

योग संगठन के पदाधिकारियों ने की केंद्रीय मंत्री से मुलाकात

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड अखिल भारतीय योग संगठन के एक शिष्टमंडल ने दिल्ली में भारत सरकार के पर्यटन राज्य मंत्री भारत सरकार अजय भट्ट एवं उत्तराखंड सरकार के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज से मुलाकात की। इस दौरान उत्तराखंड पर्यटन में योग को पर्यटन केंद्रों एवं जीएमवीएन व केएमवीएन सहित पर्यटन विभाग के तहत योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति को लेकर केंद्र व राज्य के साथ वार्ता की गई। वार्ता के बाद उन्हें बताया कि केन्द्र और राज्य इस पर विचार कर रहा है। रक्षा राज्य मंत्री से भी सेना एवं पेरामेडिकल फोर्स में योग प्रशिक्षकों की नियुक्ति का सुझाव दिया गया जिससे हमारे सैनिकों को मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक वीना जोशी द्वारा देवभूमि प्रिन्टर्स, सरस मार्केट, हल्द्वानी, नैनीताल रोड, (नैनीताल) से मुद्रित एवं 12, बसन्त विहार छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित।

सम्पादक : वीना जोशी

सभी विवादों का निपटारा हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होगा। प्रकाशित समाचारों के लिए प्रेस उत्तरदायी नहीं है।